पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, बुधवार, 23 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 27 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले

कई लोगों की मौत की आशंका, कम से कम 20 घायल

श्रीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटक स्थल पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादी हमले में कई लोगों मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मृतकों की संख्या पता लगाई जा रही है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, 'यह हमला हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा है।'

हमला अपराह्न करीब तीन बजे हुआ, जब आतंकवादी बैसरन घाटी में पहाड़ से नीचे उतरे और वहां पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस स्थान को लंबे हरे-भरे घास के मैदानों के कारण 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहा जाता है। आतंकी हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस अपने परिवार के साथ चार दिवसीय दौरे पर भारत आए हुए हैं।

हमले वाली जगह का एक वीडियो सामने आया है जिसमें कई लोग खून से लथपथ और जमीन पर बेसुध पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि महिला पर्यटक रोते हुए अपने प्रियजनों की तलाश कर रही हैं। वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं हुई है। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, 'मैं अविश्वसनीय रूप से स्तब्ध हूं। हमारे आगंतुकों पर यह हमला घृणित है। इस हमले के अपराधी जानवर, अमानवीय हैं और घृणा के लायक हैं। इसकी निंदा के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं तुरंत श्रीनगर वापस लौटूंगा। मृतकों की संख्या पता लगाई जा रही है, इसलिए मैं ज्यादा विवरण नहीं दे सकता। स्थिति स्पष्ट होने पर आधिकारिक रूप से सूचित किया जाएगा। यह हमला हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं ज्यादा बड़ा है।'

घटना ऐसे समय में हुई है जब सालों तक आतंकवाद से जूझने के बाद कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही, 38 दिवसीय अमरनाथ तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होनी है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को निकालने के लिए एक हेलीकॉप्टर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि कुछ घायलों को स्थानीय लोग अपने खच्चरों पर लादकर घास के मैदानों से नीचे लाए।

पहलगाम अस्पताल के एक चिकित्सक ने बताया कि 12 घायल पर्यटकों को वहां भर्ती कराया गया है और सभी की हालत स्थिर है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आतंकवादी 1980 के दशक में बॉलीवुड फिल्म निर्माताओं के लिए एक प्रसिद्ध स्थल बैसरन के आसपास के घने जंगल से निकले थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां बताया कि शहर में खबर आने के बाद थोड़ी देर पहले सेना, सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस बैसरन घास के मैदानों में पहुंच गई।

उन्होंने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर आतंकवाद रोधी अभियान शुरू किया गया है और सुरक्षा बलों को सभी दिशाओं में तैनात किया गया है।

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि आज दोपहर तक पर्यटकों से भरा रहा पहलगाम रिसॉर्ट जो हमले के तुरंत बाद सुनसान हो गया और पर्यटक अपनी सुरक्षा के डर से वहां से चले गए। बैसरन पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। पहलगाम से खच्चरों के माध्यम से इस क्षेत्र तक

पहुंचा जा सकता है और रास्ते में पहलगाम शहर व लिद्दर घाटी का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। देश भर से लाखों तीर्थयात्री दो मार्गों से पवित्र गुफा मंदिर की यात्रा करते हैं। एक मार्ग दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम मार्ग है जबकि दूसरा मार्ग गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर का छोटा बालटाल मार्ग है जहां खड़ी चढ़ाई है।

संक्षिप्त समाचार

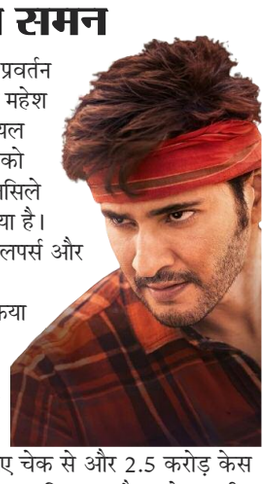

पटना के आसमान में दिखा शौर्य का पराक्रम, सूर्यकिरण की कलाबाजियों ने रचा इतिहास

पटना/ भव्य खबर । राजधानी पटना का जेपी गंगा पथ मंगलवार को गर्व और रोमांच का गवाह बना, जब भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटि स टीम ने आकाश में अद्भुत करतब दिखाए. यह नजारा सिर्फ एक एयर शो भर नहीं था, बल्कि वीरता, अनुशासन और देशभक्ति का जीवंत प्रदर्शन भी था. इस दौरान शौर्य दिवस की गरिमा को नई ऊंचाइयां मिली और बाबू वीर कुंवर सिंह के शौर्य को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने की सराहनीय पहल भी हुई.

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने फिर दो टूक कहा, संसद में लोकतंत्र सुप्रीम... उसके ऊपर कोई नहीं

नई दिल्ली/ भव्य खबर । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर दिए बयान की आलोचना के बीच फिर से खुलकर अपनी राय जाहिर की है। सभापति धनखड़ ने दो टूक कहा कि संसद में लोकतंत्र सुप्रीम है, और उससे ऊपर कोई भी संस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा और उसमें या संशोधन होने हैं, यह तय करने का पूरा अधिकार सांसदों को दिया गया है। उनके ऊपर कोई भी नहीं है। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह दो टूक बयान तब आया है, जबकि उनकी सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणी की एक वर्ग विशेष आलोचना कर रहा है। उन्होंने दुख जताकर कहा कि कैसा समय देखना पड़ रहा है कि सुप्रीम कोर्ट अब राष्ट्रपति को आदेश दे रहा है। अब राष्ट्रपति को तय समयसीमा में काम करने का आदेश दिया जा रहा है। अदालत कह रही है कि यदि राष्ट्रपति ने फैसला नहीं लिया, तब फिर विधेयकों को लागू मान लिया जाएगा। ऐसी स्थिति है कि संसद को अदालत ही चलाना चाहती है। अदालत ने तमिलनाडु केस में फैसला देकर संविधान के आर्टिकल 142 की शक्तियों का इस्तेमाल किया था और कहा था कि इसके तहत उनके पास शक्ति है कि वे जनहित में कोई भी फैसला ले सकते हैं, जो पूरे देश पर लागू होता है। इस पर भी उपराष्ट्रपति ने कहा था कि अदालत के हाथ आर्टिकल 142 के तौर पर एक परमाणु लग गया है। सभापति धनखड़ ने कहा, लोकतंत्र में संसद सुप्रीम है। निर्वाचित प्रतिनिधि तय करते हैं कि संविधान कैसा होगा। उनके ऊपर कोई और अथॉरिटी नहीं हो सकती।

सुप्रिया श्रीनेत का बीजेपी पर तीखा वार - झूठ का शोर इतना तेज हो गया है, अब सच को भी हुंकार चाहि

रायपुर/ भव्य खबर । राजधानी के एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा देश में इन दिनों झूठ बोलने की होड़ मच गई है, और वो भी इतनी जोर से कि अब सच को भी उतनी ही ताकत से बोलने की जरूरत है। सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि नेशनल हेराल्ड केस को लेकर कांग्रेस देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही है, ताकि जनता को सच्चाई से रूबरू कराया जा सके। यह सिर्फ एक केस नहीं, बल्कि साा का दुरुपयोग और विपक्ष की आवाज को दबाने की साज़िश है उन्होंने कहा। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा हर घंटे पांच नाबालिग बच्चियों के साथ दुराचार की घटनाएं सामने आ रही हैं। यह आंकड़ा चौंकाने वाला ही नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की नाकामी का आईना है। साय सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी सुप्रिया श्रीनेत ने तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा ये भाजपा नेताओं की अंदरूनी खींचतान हो सकती है, लेकिन इसका सीधा असर प्रशासन पर पड़ा है, जो पूरी तरह ठप नजर आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छीसगढ़ की सरकार साा के नशे में चूर है, और जनता की समस्याएं उनके लिए कोई मायने नहीं रखतीं।

एक्टर महेश बाबू को प्रवर्तन निदेशालय का समन

हैदराबाद/ भव्य खबर । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक्टर महेश बाबू को हैदराबाद के दो रियल एस्टेट समूहों द्वारा खरीदारों को धोखा देने की जांच के सिलसिले में 28 अप्रैल को तलब किया है। महेश बाबू ने साई सूर्या डेवलपर्स और सुराना समूह की संदिग्ध परियोजनाओं का समर्थन किया था। ईडी के मुताबिक, उन्हें साई सूर्या डेवलपर्स की परियोजनाओं के समर्थन के लिए 5.9 करोड़ रुपए मिले थे। इसमें से 3.4 करोड़ रुपए चेक से और 2.5 करोड़ केस भुगतान किए गए थे। ईडी के मुताबिक यह पैसा धोखाधड़ी के जरिए एकत्र किए गए थे। ईडी ने भाग्यनगर प्रॉपर्टीज लिमिटेड के निदेशक नरेंद्र सुराना, साई सूर्या डेवलपर्स के मालिक के सतीश चंद्र गुप्ता और अन्य के खिलाफ तेलंगाना पुलिस के दर्ज एफआईआर के आधार पर अपनी मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की थी।

जेद्दा पहुंचे पीएम मोदी का हुआ शाही स्वागत

21 तोपों की सलामी के साथ गूंजा ऐ वतन, ऐ वतन गीत, लोगों ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए

जेद्दा/ नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की अपनी दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए जेद्दा पहुंचे। उनका स्वागत 21 तोपों की सलामी के साथ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री ‖त्र‖ प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ, अपनी यात्रा के दौरान वे भारत-सऊदी अरब सामरिक साझेदारी परिषद के नेताओं की दूसरी बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। सऊदी अरब की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए भारतीय समुदाय के लोगों ने %मोदी, मोदी% के नारे लगाए। पीएम मोदी के विमान के ठीक आजू-बाजू में एक-दो नहीं बल्कि तीन-तीन लड़ाकू विमान उड़ान भरते नजर आए। ये लड़ाकू जेट लगातार पीएम मोदी के विमान को स्कॉट करते हुए नजर आए। ये तस्वीर अपने आप में बेहद खास नजर आई। सऊदी अरब से भारत की दोस्ती भी बेहद खास है। यही

वजह है कि एक स्पेशल जेस्चर के जरिए पीएम मोदी के विमान को सऊदी अरब ने अपने लड़ाकू विमानों के जरिए स्कॉट कराया। ये अपने आप में ही रोमांच से भर देने के लिए काफी है।

मोदी ने सऊदी युवराज को मेरा भाई कहा। भारत और सऊदी अरब मंगलवार को मोदी की जेद्दा यात्रा के दौरान कम से कम छह समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे। उच्च पदस्थ सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि मोदी शाम को सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के साथ अपनी बैठक के दौरान भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए हज कोटा सहित संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। दोनों पक्षों द्वारा अंतरिक्ष, ऊर्जा, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान, संस्कृति और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। सऊदी अरब में 27 लाख भारतीय रहते हैं और वहां काम करते हैं। जेद्दा पहुंचने से पहले अरब न्यूज़ को दिए साक्षात्कार में मोदी ने सऊदी अरब को भारत के सबसे मूल्यवान साझेदारों में से एक, समुद्री पड़ोसी, विश्वसनीय मित्र और रणनीतिक सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि हम सऊदी अरब को क्षेत्र में सकारात्मकता और स्थिरता की शक्ति मानते हैं। समुद्री पड़ोसी होने के नाते, भारत और सऊदी अरब क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में स्वाभाविक रुचि रखते हैं।

भाजपा सांसद ने खास 'बैग' से गांधी परिवार को घेरा, 'नेशनल हेराल्ड' मामले पर पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज मंगलवार को संसद भवन में 'एक देश, एक चुनाव की संयुक्त संसदीय समिति' की बैठक में शामिल होने पहुंची, तो उनके बैग ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के बैग पर लिखा था, 'नेशनल हेराल्ड की लूट।' उन्होंने अपने बैग के जरिए गांधी परिवार पर सांकेतिक तरीके से निशाना साधने की कोशिश की। इसके साथ ही इसी संबंध में उनका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार पर सवाल उठाती दिख रही हैं। इस वीडियो में भाजपा सांसद कहती हुई नजर आ रही हैं, ÷यह पहली बार है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ यानी मीडिया को लेकर भी भ्रष्टाचार हुआ है। हाल ही में जो चार्जशीट ईडी ने दाखिल की है, उससे

कई तरह के गंभीर आरोप उजागर होते हैं, इसमें कांग्रेस की एक पुरानी कार्यशैली उभरकर सामने आ रही है।'

प्रदूषण और सड़क हादसे कम करने में बच्चे निभाएं सामाजिक जिम्मेदारी: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सड़कों को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने कई पहल शुरू की हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स और केंद्रीय विद्यालय संगठन ने मिलकर 'एसआईएम-केवीएस रोड सेफ्टी ऑनलाइन एजुकेशन प्रोग्राम' आयोजित किया।

राष्ट्रीय राजधानी के नई दिल्ली कैंट स्थित केंद्रीय विद्यालय 2 में मंगलवार को आयोजित हुए इस विशेष प्रोग्राम के तहत रोड सेफ्टी लर्निंग मॉड्यूल 'सुरक्षित सफर' को लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम का हिस्सा केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी रहे।

यहां बच्चों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'आने वाला समय हाइड्रोजन का है। हमें ऊर्जा को आयात करने वाला नहीं, निर्यात करने वाला देश बनना है। देश की राजधानी में प्रदूषण और सड़क हादसों को कम करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कई प्रयास किए जा रहे हैं। इन दोनों ही मुद्दों से निपटने के लिए आप जैसे बच्चों द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी और सामाजिक जागरूकता दिखाए जाने की जरूरत है।'

कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि देश में सड़क सुरक्षा एक जरूरी मुद्दा है, जिसे देखते हुए एनसीईआरटी देश में एक नया करिकुलम और टेक्स्ट बुक बना रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए अपनी जिम्मेदारी और भूमिका बढ़ा रहे हैं। आने वाले समय में पहली से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए सड़क सुरक्षा को लेकर पाठ्य सामग्री को तैयार किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आगे कहा, 'जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि सड़क सुरक्षा बेहद जरूरी है और इसे जन-आंदोलन में परिवर्तित करना होगा। हम उन्हीं के विजन के अनुरूप काम कर रहे हैं।'

अमेरिका, भारत मिलकर बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं: वेंस

जयपुर/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों की एक दिशादृष्टि पेश करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने मंगलवार को भारत से अपने बाजारों तक अधिक पहुंच प्रदान करने तथा अमेरिका से ज्यादा ऊर्जा और रक्षा उपकरण खरीदने का आह्वान किया।

वेंस ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका और भारत उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार और ऊर्जा समेत विविध क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका साझी प्राथमिकताओं के आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए काम कर रहे हैं

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि

इक्कीसवीं सदी का भविष्य भारत और अमेरिका की मजबूती से तय होगा।

व्यापार और शुल्क पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति का जिक्र करते हुए वेंस ने कहा कि व्यापार संबंध निष्पक्षता पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि 'हम एक उज्ज्वल नया विश्व बनाना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वैश्विक व्यापार को फिर से संतुलित करना चाहते हैं ताकि अमेरिका, भारत जैसे मित्रों के साथ मिलकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके। उन्होंने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में हमारे देशों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं और हम मिलकर कई 'सैन्य आयुध' बना सकते हैं। वेंस ने मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैंने कल रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि उन्हें लोकप्रियता मिली है जिससे मुझे ईर्ष्या होती है।'

उल्लेखनीय है कि वेंस भारत की अपनी यात्रा के तहत इस समय जयपुर में हैं। इससे पहले मंगलवार सुबह उन्होंने यहां ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित, शक्ति दुबे ने किया टॉप

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 के अंतिम परिणाम की घोषणा कर दी है। इस परीक्षा में प्रयागराज की रहने वाली शक्ति दुबे ने पहला स्थान हासिल किया है। उनका नाम टॉपर्स की सूची में सबसे ऊपर दर्ज हुआ है। इसी के साथ शक्ति दुबे का नाम अब देश के उन चंद लोगों में शामिल हो गया है जो आईएएस टॉपर बनने का गौरव हासिल करते हैं। टॉपर्स की सूची में शक्ति के अतिरिक्त हर्षिता गोयल, डोनरे अर्चित पराग, शाह एम चिराग, आकाश गर्ग, कोमल पूनिया और आयूषी बंसल आदि के नाम शामिल हैं। यहां बताते चलें कि इस वर्ष कुल 1009 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए चुना गया है। चयनित उम्मीदवारों में सभी वर्गों के अभ्यर्थी शामिल हैं, जिनमें 335 सामान्य वर्ग, 109 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), 318 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), 160 अनुसूचित जाति (एससी) और 87 अनुसूचित जनजाति (एसटी) से हैं। दिव्यांग श्रेणी से भी कुल 45 उम्मीदवारों का चयन हुआ है। इनमें दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, शारीरिक रूप से असमर्थ और अन्य श्रेणियों के उम्मीदवार शामिल हैं। संपूर्ण रिजल्ट यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट यूपीएससी डॉट जीओवी डॉट इन पर देखा जा सकता है। विभाग ने ऑन लाइन रिजल्ट को पीडीएफ फॉर्मेट में उपलब्ध कराया है।

लंबे इंतजार के बाद आई खुशखबरी- पिथौरागढ़ से शुरु होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

हल्द्वानी (एजेंसी)। लंबे इंतजार के बाद खुशखबरी आई कि कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरु हो रही है। कोविड 19 के कारण वर्ष 2020 से संचालित नहीं हो पाई कैलाश मानसरोवर यात्रा इस वर्ष 30 जून से शुरू होगी। केएमवीएन की ओर से इस यात्रा का संचालन होगा।यह यात्रा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास मार्ग से संचालित होगी। यात्रा में 50-50 व्यक्तियों के कुल पांच दलों को शामिल किया जाएगा। कैलाश मानसरोवर यात्रा इस बार जुलाई से शुरू होगी।सोमवार को दिल्ली में हुई विदेश मंत्रालय, कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन), सिक्किम टूरिज्म और चीन के अधिकारियों की बैठक में यह फैसला लिया गया।

बैठक में भारतीय सेना, आईटीबीपी के अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।केएमवीएन के अधिकारियों के अनुसार, बैठक में चीन के अधिकारियों की ओर से यात्रा को जून के बजाए जुलाई से शुरू कराने पर सहमति जताई गई। इस बार यात्रा मार्ग पर यात्रियों के ठहरने के लिए विशेष इंतजाम किए जाने हैं।निगम का फोकस यात्रा को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने पर है। दिल्ली से आने वाले यात्रियों के लिए टनकपुर, धारचूला और नाभीढांग में ठहरने की विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। हर उम्र के लोगों के लिए अलग-अलग डाइट प्लान तैयार किया जाएगा। विशेषज्ञों की मदद से ऐसा आहार तय किया जाएगा, जो यात्रा के दौरान ऊर्जा देने वाला और पचने में आसान होगा। वहीं यात्रा के दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यात्रियों को परेशानी नहीं हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

केएमवीएन एमडी विनीत तोमर कहते हैं कि कैलाश मानसरोवर यात्रा जुलाई से होगी। हर वर्ग के यात्रियों के अनुसार भोजन और रहन-सहन की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों के ठहरने के लिए केएमवीएन के अतिथि विश्राम गृह में इंतजाम होंगे।कुमाऊं मंडल विकास निगम अधिकारियों की टीम जून तक यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लेगी। जिन स्थानों पर सुविधाएं दुरुस्त की जानी हैं, वहां तेजी से कार्य शुरू किया जाएगा। यात्रा के दौरान बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए खास डाइट तैयार की जाएगी। निगम, विशेषज्ञों से सलाह लेकर ऊंचाई पर यात्रियों के लिए कुमाऊनी और सीमावर्ती क्षेत्र में बनने वाले स्थानीय भोज्य पदार्थों को परोसने की व्यवस्था करेगा।

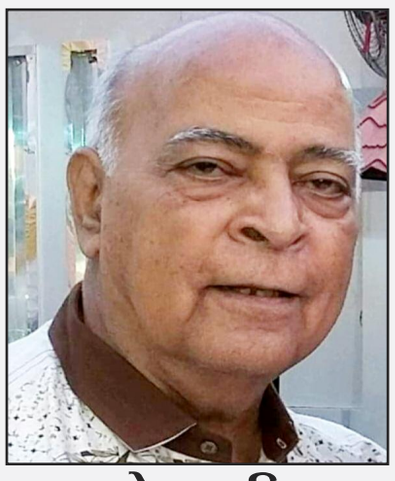

अशोक भाटिया

लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा हमले की कोशिश पर भारत सरकार ने गंभीर चिंता व्यक्त तो की है पर उसमें मंदिरों का जिक्र नहीं है पर उसमें कहा गया है कि कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतंकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं।

विदेशों में हिन्दू धार्मिक स्थलों पर नहीं थम रहे हमले

खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर से हिंदू मंदिर को निशाना बनाया है। कनाडा में वैंकूवर के गुरुद्वारे की बेअदबी के कुछ ही समय बाद, ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर को निशाना बनाया गया. मंदिर की दीवारों पर स्प्रे पेंट से लिखे गए भारत विरोधी नारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई है.भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य के अनुसार ये हमला हिंदू मंदिरों पर हो रहे सुनियोजित और लगातार हमलों की एक कड़ी है, जिससे हिंदू समुदाय को डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है.लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' जैसे उग्रवादी नारे लिखे की घटना से हिंदू समुदाय में असुरक्षा की भावना को और गहरा दिया है. घटना की निंदा करते हुए सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि हिंदू मंदिरों पर हमले जो कुछ साल पहले शुरू हुए थे, वे आज भी बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं. ये ताजा हमला खालिस्तानी उग्रवाद के बढ़ते प्रभाव की एक और भयावह याद है.इस घटना से कुछ समय पहले वैंकूवर में स्थित रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे की दीवारों पर भी 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' और 'मुदार्बाद' जैसे नारों के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए धमकी भरे संदेश लिखे गए थे. वैंकूवर पुलिस विभाग ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है. इस पर टिप्पणी करते हुए चंद्र आर्य ने कहा कि इन खालिस्तानी उग्रवादियों ने रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे (खालसा दीवान सोसायटी) को भी निशाना बनाया है, जहां दीवारों पर उकसाने वाले नारे और धमकियां लिखी गई हैं.खालसा दीवान सोसायटी ने बयान जारी कर इसकी कड़ी निंदा की. साथ ही कहा कि ये उग्रवादी ताकतों की एक सुनियोजित साजिश है जो कनाडाई सिख समुदाय में भय और फूट डालना चाहती है. सोसायटी ने कहा कि हम सभी कनाडाई नागरिकों, सिखों और सद्भाव की भावना रखने वाले लोगों से अपील करते हैं कि वे एकजुट होकर इस उग्रवाद का विरोध करें. ये हमला हम सभी पर है- उस एकता पर जो कनाडा को मजबूत बनाती है.वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब विदेशी सरजमी पर हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो । अमेरिका के कैलिफोर्निया के नेवार्क में खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर की बाहरी दीवारों पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे हैं साथ ही उन्हें क्षतिग्रस्त भी किया है। ये मंदिर स्वामीनारायण मंदिर है। जिसकी दीवारों पर काले रंग से आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नेवार्क पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई।अमेरिका के हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर मंदिर की कुछ

तस्वीरों को शेयर किया गया है। इसके साथ ही फाउंडेशन ने कैप्शन में लिखा कि स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाकर शकी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे हैं, साथ ही उसे क्षतिग्रस्त भी किया है । फाउंडेशन ने इस मामले की जानकारी पुलिस के साथ ही न्याय विभाग के नागरिक अधिकारों को भी दी है। फाउंडेशन का कहना है कि वो चाहती है कि इस घटना की जांच पुलिस इसे हेट क्राइम मानकर करे। वहीं खालिस्तान आतंकवादी भिंडरावाले का जिक्र करते हुए बताया जा रहा है कि उसने हत्या के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया है अब मंदिर को निशाना बनाया जा रहा है ताकि लोगों खौफ पैदा हो सके। फाउंडेशन का कहना है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पुलिस इसे घृणा अपराध मानकर जांच करे।वहीं इस मामले पर सैन फ्रांसिस्को में मौजूद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है। दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने की कड़ी निंदा करते हुए बयान दिया है कि इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। इससे पहले भी कई इस तरह के मामले सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी खालिस्तानियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। इस तरह की घटनाओं पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार ने कई राजनयिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाता रहा है। ज्ञात हो कि इसी साल अगस्त में खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया शहर में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर के दरवाजे पर खालिस्तानी पोस्टर चिपका दिए थे। ये सारी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाके मेलबर्न में भी इसी साल जनवरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां स्वामीनारायण मंदिर पर भी खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लिखे थे। वहीं एक दूसरे मंदिर इस्कॉन टेम्पल में भी हिंदुस्तान मुदार्बाद और खालिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लिखे गए थे। कनाडा स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि मंदिर में तोड़फोड़ से कनाडा में स्थित भारतीय समुदाय की धार्मिक भावना आहत हुई है। अपनी चिंता जाहिर करते हुए अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन से आपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कनाडा सरकार को इस संबंध में संज्ञान लेने और मामले की जांच करने के संबंध में अपनी बात रखी है। भारतीय दूतवास ने घटना की कड़ी निंदा की है और हिन्दू धर्म के लिए पनप रही इस नफरत पर चिंता व्यक्त की है। कनाडा पुलिस ने मामले की सख्ती से जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल कनाडा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और हिंदू धर्म को मानने वालों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा भड़की वह तो सबने देखी, लेकिन अमेरिका जो खुद को लोकतंत्र की मिसाल बताता है। ऐसे देश में हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की साजिश समझ से बाहर है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमला उस वक्त हो रहा था , जब यूनाइटेड नेशन में दुनियाभर के नेता वहां मौजूद थे । इसके बावजूद सब चुप्पी साधे हुए रहे ।गौरतलब है है कि अब तक के जो मामले सुर्खियों में है जब हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ हुई हो । इनमे प्रमुख है 26 सितंबर, 2024 :- का है, जब सैक्रामेंटो अमेरिका में स्वामी नारायण मंदिर। 19 सितंबर, 2024 :- न्यूयॉर्क के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में हमले के बाद अपमानजनक नारे जैसे 'हिन्दुस्तान मुदार्बाद' तक लिखा गया। 5 जनवरी, 2024 :- कैलिफोर्निया के विजय का शेरावाली मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हमला किया गया। 23 दिसंबर, 2023 :- कैलिफोर्निया के एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला किया। वहां कई गंदे चित्र भी उकेरे गए। यानी मंदिर की पवित्रता को खत्म करने की कोशिश की गई। 20 जनवरी, 2023 :- ब्रेजोस वैली में श्री ओंकारनाथ मंदिर में चोरों ने चोरी की और कीमती सामान उड़ा लिया। उन्होंने मंदिर की एक खिड़की, दान पेटी और तिजोरी तक तोड़ दी। चोर सीसीटीवी में कैद हो गए। 2 नवंबर, 2022 :- न्यूजर्सी के श्री उमिया धाम मंदिर में तोड़फोड़ की गई और 'मुक्त फिलिस्तीन' के नारे लिखे गए। 31 जनवरी, 2019 :- केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की, काले रंग का छिड़काव किया, खिड़कियां तोड़ दी, दीवारों पर स्प्रे के जरिए स्लोगन लिखे गए।19 जुलाई, 2015 :- कैरोलिना के विहिप मंदिर पर गोलीबारी की गई। मंदिर पर 4 जुलाई 2015 की दोपहर करीब 1 बजे भी गोलीबारी हुई, जिसमें मंदिर की दीवारों पर 60 से अधिक छेद हो गए। 20 अप्रैल, 2015 :- न्यूयॉर्क के उत्तरी टेक्सास हिंदू मंदिर के प्रतीक चिन्हों को तोड़ दिया गया। लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा हमले की कोशिश पर भारत सरकार ने गंभीर चिंता व्यक्त तो की है पर उसमें मंदिरों का जिक्र नहीं है पर उसमें कहा गया है कि कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतंकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रतिपक्ष में रहकर वोट बैंक के लिए या भारत को कमजोर देखने के लिए उनका समर्थन करते रहे हैं। अब लेबर पार्टी सत्ता में हैं और वह भारत के साथ अच्छे संबंधों के लिए प्रयासरत है। ऐसी स्थिति में भारत का कड़ा विरोध आवश्यक है। लेकिन भारत में भी पाकिस्तान तथा अन्य देशों के माध्यम से फन्डिंग पा रहे कथित खालिस्तानी आतंकी अथवा नक्सली अब भी कुछ इलाकों में समय समय पर हमले की कोशिश करते हैं। उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के समूह ने हाल ही में खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा पाकिस्तानी आई एस आई के सदस्य लजर मसीह को महाकुंभ में आतंकी वारदात की साजिश के सबूतों के साथ गिरफ्तार किया था ।

संपादकीय

बुझे हुए तीर

अमृता आर. पंडित

बीस साल पहले अलग हो चुके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के दरम्यान सुलह होने की खबरें हैं। संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है कि वे अपनी छोटी-मोटी लड़ाइयों को हाशिए पर रखने को राजी हैं और महाराष्ट्र के हितों के मद्देनजर साथ आ सकते हैं। राज अनुसार, मराठी मानुष के हित में एकजुट होना कठिन नहीं है बशर्ते राज्य के खिलाफ काम करने वालों को अनुमति न दी जाए। इस पर उद्धव ने अपने दल के कार्यक्रम में कहा कि मैं भी तुच्छ मुद्दों को अलग रखने को तैयार हूं और सभी से मराठी मानुष के लिए साथ आने की अपील करता हूं। उन्होंने यह बात राज का नाम लिए बगैर कही। 2003 में बाल ठाकरे द्वारा भतीजे राज की बजाय बेटे को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के बाद से मतभेद उभरने लगे थे। राज के समर्थकों में उन्हें लगातार दर-किनार किए जाने पर सुगबुगाहट तेज होने लगी थी। उन्होंने अपनी ताकत दिखाने के लिए उत्तर भारतीय प्रवासियों को निशाना बनाया। 2005 में राज ने यह कहते हुए खुद को शिव सेना से अलग कर लिया कि मैंने सम्मान मांगा था। मगर मुझे सिर्फ अपमान मिला। परंतु यह भी जोड़ा कि चाचा उनके लिए हमेशा भगवान की तरह रहेंगे। उद्धव ने राज के फैसले को गलतफहमी का नतीजा ठहराया। 2006 में राज ने अपने दल की शरूआत कर मराठी मानुष का कार्ड.खेला परंतु उप्र और बिहारियों को निशाना बनाने की वजह से वे विवादों में ही बने रहे। इसके बावजूद 2009 के चुनावों में शिवसेना को नुकसान पहुंचाते हुए बस तेरह सीटें ही निकाल पाए। मगर 2014और 19 के निराशाजनक नतीजों के बाद बीते साल उनका दल मात्र एक सीट पर सिमट गया। कट्टर मराठी की छवि के बावजूद उनको खुद करारी हार का सामना करना पड़ा। 2012 में बाल ठाकरे की मृत्यु के बाद पुनर्मिलन की अटकलें तेज हुई थीं मगर दोनों चचेरे भाइयों ने अपनी अगली पीढ़ी को राजनीति के दंगल में उतार कर नया दांव चल दिया। शिव सेना में हुई बगावत और उसके टूटने और असली/नकली शिव सेना की खींचतान के बाद उद्धव को लगे करारे झटके ने उन्हें राजनीति की बिसात में हाशिए पर धरूकेलने का काम किया। कांग्रेस जैसी धुर विरोधी पार्टी के साथ जाना भले ही उनकी मजबूरी थी मगर इससे मराठियों के नाम पर चल रही राजनीति की कलई खुल गई। यह पुनर्मिलन दोनों चचेरे ठाकरों का राजनीतिक दांव नहीं है, बल्कि उनकी मजबूरी के तौर पर देखा जाना चाहिए जिसकी सफलता पर संदेह उपजना स्वाभाविक है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

"पहलगाम हमला: शांति पर वार"

कल 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम की बैसरन घाटी में जो हुआ, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए मशहूर इस घाटी में आतंकवादियों ने जो हमला किया, वह केवल पर्यटकों पर नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था, कश्मीर की शांति और हमारी सामाजिक एकता पर सीधा हमला था। हमला उस समय हुआ जब दोपहर करीब 2:30 बजे पर्यटकों का एक समूह ट्रैकिंग और घुड़सवारी कर रहा था। आतंकवादी कथित रूप से पुलिस या सेना की वर्दी में थे, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। उन्होंने पहले लोगों से नाम और धर्म पूछे, और फिर चुनिंदा लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ को इस्लामी आयत पढ़ने के लिए मजबूर भी किया गया। करीब 50 राउंड फायरिंग हुई। हमले में 25 से 30 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हुए। मृतकों में भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट, एक आईबी अधिकारी, रेलवे इंजीनियर और कारोबारी शामिल थे, जो अपने परिवारों के साथ छुट्टी मनाने आए थे। इस हमले में दो विदेशी नागरिक भी मारे गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' इस हमले की जिम्मेदारी ले चुका है। कुछ रिपोर्टों में जैश-ए-मोहम्मद की भी भूमिका की बात सामने आई है। यह हमला उस समय हुआ जब खुफिया एजेंसियों के पास पहले से रेकी की जानकारी थी, फिर भी कोई ठोस रोकथाम नहीं हो सकी। इस हमले ने आतंकवाद की विकृत मानसिकता को उजागर कर दिया है। निदोर्षों की जान लेकर डर और नफरत फैलाना आतंकवादियों की कायरता है। वे हमारे देश की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक सौहार्द को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हम इन हरकतों की कड़ी निंदा करते हैं। सरकारी तंत्र की नाकामी साफ दिखाई दी। बैसरन घाटी जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था न के बराबर थी। पुलिस या सेना की वर्दी का दुरुपयोग कर आतंकियों ने बड़ी चूक को उजागर कर दिया। पर्यटकों के लिए न तो कोई चेतावनी थी, न आपातकालीन तैयारी। ये लापरवाही गंभीर सवाल खड़े करती है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने तेजी से सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने इलाके को घेर लिया। घायलों को हेलिकॉप्टर और एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। अनंतनाग पुलिस ने हेल्पलाइन शुरू की। एनआईए ने जांच अपने हाथ में ली। प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब का दौरा रद्द किया, गृह मंत्री ने श्रीनगर में सुरक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों का दौरा किया। एयर इंडिया ने अतिरिक्त फ्लाइट्स से पर्यटकों को सुरक्षित निकाला। राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिक्रियाएं आईं, लेकिन वे नुकसान की भरपाई नहीं कर सकीं। सामाजिक स्तर पर देशभर में गुस्सा फूटा। पर हैशटैग्स चले, कैंडल मार्च निकाले गए। बॉलीवुड हस्तियों ने दुख जताया। लेकिन इन सबके बीच कश्मीर का पर्यटन उद्योग बड़ा झटका खा गया। अमरनाथ यात्रा पर भी इसका असर दिख सकता है। अब जरूरी है कि खुफिया तंत्र को और मजबूत किया जाए। पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा बढ़े, निगरानी कैमरे और चौकियां हों। पर्यटकों को स्पष्ट दिशा-निर्देश मिलें और आपातकालीन योजना हो। आतंकी संगठनों और उनके मददगारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण बात है राष्ट्रीय एकता। हमें यह समझना होगा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। हमें मिलकर ऐसी घटनाओं का मुकाबला करना होगा, ताकि फिर कोई पहलगाम खून से न रंगे। यह हमला एक चेतावनी है। अब चूक की कोई गुंजाइश नहीं बची। पहलगाम की त्रासदी हमें बताती है कि शांति और सुरक्षा के लिए केवल वादे नहीं, बल्कि ठोस और जवाबदेह कदम जरूरी हैं।

राजेश श्रीवास्तव

"आतंक के साए में लोकतंत्र की तलाश"

राजेश श्रीवास्तव

पहलगाम में हुआ आतंकी हमला एक भयावह त्रासदी है। यह केवल निर्दोष पर्यटकों पर हमला नहीं, बल्कि हमारे देश की सुरक्षा नीति पर एक करारा तमाचा है। यह घटना यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम सचमुच आतंकवाद से लड़ने में सक्षम रणनीति अपनाए हुए हैं? केंद्र सरकार बार-बार यह दावा करती रहा है कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद कश्मीर में स्थायित्व आया है। लेकिन इस स्थायित्व की वास्तविकता हर आतंकी हमले के साथ उजागर हो रही है। हालात यह बता रहे हैं कि जमीनी हकीकत और प्रचारित कथाओं के बीच एक गहरी खाई है। आतंकवाद केवल सैन्य बल से नहीं मिटाया जा सकता। यह एक सामाजिक, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक संघर्ष है, जिसमें संवाद, समावेशन और स्थानीय सहभागिता अनिवार्य है। जब तक हम घाटी के लोगों को भरोसे में नहीं लेंगे, तब तक आतंकवाद को जड़ से खत्म करना संभव नहीं। दुर्भाग्य से पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने विपक्ष के एक भी सुझाव को गंभीरता से नहीं लिया। जो दल सहयोग की बात करता है, उसे 'राष्ट्रविरोधी' करार दिया जाता है। क्या यह लोकतंत्र है? या यह सत्ता का अहंकार? सेना के जवान दिन-रात सीमाओं और भीतर के मोर्चों पर संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन क्या उनके बलिदान की कीमत केवल इस बात से अदा हो सकती है कि हमने सर्जिकल स्ट्राइक कर दी या कड़ी निंदा कर दी? जवानों के बलिदान को सार्थक बनाना है तो नीति में दूरदर्शिता और समावेशिता लानी होगी। विपक्ष को साथ लेकर चलना कोई कमजोरी नहीं है। यह परिपक्व लोकतंत्र की निशानी है। आतंकवाद जैसे विषयों पर सर्वदलीय संवाद और नीति निर्माण में सामूहिक भागीदारी जरूरी है। अगर यह अब भी नहीं हुआ, तो हम हर साल ऐसी ही त्रासदियों के गवाह बनते रहेंगे।

संक्षिप्त डायरी

दक्षिणी दिल्ली में डकैती की योजना बना रहे गोगी गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/ भव्य खबर । दक्षिणी दिल्ली में कथित तौर पर डकैती की योजना बना रहे कु यात गोगी गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिर तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आ-रोपियों की पहचान अभिमन्यु उर्फ अभि (22), अमरजीत उर्फ भोलू (27) और शमशेर सिंह (27) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि तीनों का आपराधिक इतिहास है और वे सशस्त्र डकैती, हत्या के प्रयास तथा हत्या के कई मामलों में कथित रूप से शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि आरोपी इस साल जनवरी में गुरुग्राम में दर्ज एक सशस्त्र डकैती मामले में भी वांछित थे, जहां उन्होंने अन्य साथियों के साथ मिलकर कथित तौर पर करीब छह लाख रुपये लूटे थे। अधिकारी ने बताया, 'दक्षिण दिल्ली में गिरोह के डकैती की योजना बनाने की सूचना मिलने के बाद सोमवार शाम को गिर तारियां की गईं। सूचना के आधार पर धौला कुआं के निकट राव तुलाराम मार्ग पर जाल बिछाया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार तीन संदिग्धों को रोककर गिर तार कर लिया और उनके पास से तीन पिस्तौल तथा पांच गोलियां बरामद कीं। अधिकारी ने बताया कि जिस मोटरसाइकिल पर वे सवार थे, वह चोरी की पाई गई और वह जनवरी में निहाल विहार पुलिस थाने में दर्ज चोरी के एक मामले से संबंधित पाई गई। पूछताछ के दौरान, तीनों ने गोगी गिरोह के गुर्गे मोहित बधानी और मोंटी मान के साथ अपने संबंधों की बात कबूल की और बताया कि वे अ सर दिल्ली-एनसीआर में गिरोह की आपराधिक गतिविधियों में मदद करते थे। अधिकारी ने बताया कि अभिमन्यु के खिलाफ पहले से ही डकैती और हत्या के प्रयास सहित कम से कम तीन नामजद मामले दर्ज हैं, अमरजीत पर हत्या का आरोप है और शमशेर हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में हमले एवं आपराधिक साजिश सहित कई मामलों में शामिल है। मेयर ने दक्षिणी महरौली में डॉ

भीमराव आबेडकर पॉली क्लिनिक का किया उद्घाटन

नई दिल्ली/ भव्य खबर । दिल्ली के मेयर महेश कुमार खीची ने मंगलवार को दक्षिणी महरौली विधानसभा में डॉ भीमराव आबेडकर पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इसका हर वर्ग को लाभ मिलेगा। महेश कुमार खीची ने क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि महरौली की जनता को अच्छी सुविधा देने के लिए पॉलीक्लिनिक का शुभारंभ किया गया है। इससे जनता को फायदा होगा। जनता इसमें कम खर्च में सारी सुविधा का लाभ उठा सकती है। खीची ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं, ताकि देश के लोगों तक बाबा साहेब के विचार पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि इस क्लिनिक के खुलने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनको यहां कम दाम में अच्छा इलाज मिल सकेगा। खीची ने कहा कि दिल्ली में भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए आआपा के पार्षदों को तोडड़े का काम कर रही है। इस अवसर पर महरौली के चेयरमैन किशन जागड़, निगम पार्षद रेखा महेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि सोमवार को दिल्ली महापौर और उप महापौर पद के उमीदवारों के नामांकन प्रक्रिया का आखिरी दिन था, जिसमें आम आदमी पार्टी ने इन चुनावों में अपना उमीदवार खड़ा नहीं करने का फैसला किया है। एनडीएमसी क्षेत्र में दो हजार से

अधिक पौधे और करीब 5 लाख झाड़िड्रां लगाई जाएंगी : चहल

नई दिल्ली/ भव्य खबर । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मंगलवार को पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान कहा कि एनडीएमसी अपने क्षेत्र में 2,039 पौधे और लगभग 4.82 लाख झाड़िड्रां लगाने जा रही है। यह अभियान जुलाई के पहले या दूसरे सप्ताह में मानसून की शुरूआत के साथ शुरू किया जाएगा। चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने पिछले वर्ष 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 11,096 पौधे और 13,68,148 झाड़िड्रां लगाई थीं। उन्होंने आगे बताया कि इस साल एनडीएमसी क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और जहां आवश्यकता है, वहां पौधरोपण के लिए विस्तृत सर्वेक्षण के बाद लक्ष्य तय किए गए हैं। इस वर्ष का अभियान अकबर रोड, शंकर रोड, सरदार पटेल मार्ग जैसे प्रमुख मार्गों और कॉलोनी पार्कों में चलेगा। इसके अलावा नेहरू पार्क, लोधी गार्डन, संजय झील और तालकटोरा गार्डन जैसे प्रमुख उद्यानों को भी इस मुहिम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष इमली, जामुन, पीपल, बरगद, चंपा, बांस, नीम और अशोक जैसे 10 प्रकार के पौधों को लगाने की योजना है। इसके साथ ही चांदनी, हेमालिया, कैलेंडुला, तिकोना और मौर्य जैसी सजावटी और देशी झाड़िड्रों को भी चुना गया है, जो सौंदर्य और जैव विविधता को बढ़ाएंगी। कुलजीत सिंह चहल ने आगे बताया कि एनडीएमसी वर्तमान में अपने क्षेत्र में 1,450 एकड़ हरित क्षेत्र का रखरखाव करती है। इसमें 6 बड़े पार्क– सेंट्रल पार्क, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, नेहरू पार्क और संजय झील शामिल हैं। इसके अलावा 122 कॉलोनी पार्क, 6 नर्सरी, 981 सीपीडल्यूडी पार्क, 52 स्कूलों के हरित परिसर, 51 गोलचक्कर, 14 बाजार उद्यान और लगभग 15,000 सड़क किनारे के पेड़-पौधे भी एनडीएमसी के तहत आते हैं।

सिख दंगा मामला : मुख्य गवाह को बार-बार मिली थीं धमकियां

नई दिल्ली/ भव्य खबर । दिल्ली गुरुद्वारा सिख प्रबंधन कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मंजीत सिंह जीके ने 1984 सिख दंगों से जुड़े मामले में सोमवार को राउज एवेन्यू अदालत में बयान दर्ज कराए। अपनी गवाही के दौरान उन्होंने कहा कि मामले में मु य गवाह सुरेंद्र सिंह ने बार-बार धमकियां मिलने के बाद अपना बयान बदल लिया। जीके ने मामले में आरोपी जगदीश टाइटलर को लेकर यह खुलासा हुआ किया। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह की अदालत ने सीबीआई अभियोजक अमित जिंदल के जरिये मंजीत सिंह का बयान दर्ज किया। जीके ने कहा कि सुरेंद्र ने उन्हें कई बार धमकी के बार में बताया था, जिसके बाद उन्होंने अलग-अलग बयान दिए थे। इसके बाद जीके ने सिंह को समुदाय के समर्थन का आश्वासन दिया और सच बोलने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिल्ली में कांग्रेस को मजबूत करने को लेकर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में हुई अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल के शुरुआत में यानी 8 फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर कांग्रेस को सिवाय निराश होने के और कुछ नहीं दिया। 2020 की तरह इस बार भी उसका कोई विधायक एक सीट तक नहीं जीत सका। दिल्ली में शून्य हो चुकी पार्टी को फिर से खड़ा करने के लिए कांग्रेस ने कोशिशें शुरू कर दी हैं। आज इसी कड़ी में दिल्ली के प्रदेश कार्यालय में कार्यकारिणी, लोकसभा और जिला पर्यवेक्षकों की अलग-अलग बैठकें हुईं। यह बैठक कांग्रेस के फ्लैगशिप कार्यक्रम 'संगठन सृजन अभियान' के अंतर्गत हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने की। बैठक में पार्टी संगठन को जिला,प्रखंड और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

बैठक में संगठन सृजन अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस समिति द्वारा दिए गए 40 दिन के कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई,जिसके तहत संविधान बचाओ अभियान के अंतर्गत 25 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय तक संविधान बचाओ रैली निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक में देवेंद्र यादव के साथ दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन,सह-प्रभारी दानिश अबरार,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौपड़ा,पूर्व सांसद कृष्णा तीरथ तथा संदीप दीक्षित,पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ,डॉ. नरेन्द्र नाथ,मंगतराम सिंघल,मनीष चतरथ,कम्युनिकेशन विभाग के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज,कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव मनोज यादव और सुशांत मिश्रा मौजूद थे। बैठकों प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यगण सहित लोकसभा तथा जिला पर्यवेक्षक,जिला अध्यक्ष मौजूद रहें।

इस दौरान यादव ने संगठन सृजन अभियान के तहत संगठन मजबूती के लिए लोकसभा और जिला पर्यवेक्षकों को प्रथम चरण टास्क की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि लोकसभा पर्यवेक्षक प्रत्येक विधानसभा के तहत आने वाले सभी नेताओं,पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मिलकर जिला तथा प्रखंड के कार्य की समीक्षा करके क्षेत्र में पार्टी की राजनीतिक स्थिति का आंकलन करेंगे। इस दौरान यदि वह जिला और प्रखंड स्तर पर बदलाव की जरूरत महसूस करेंगे,तो स्पष्टीकरण के साथ अपनी कार्यवाही की रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय में जमा कराएंगे। इस दौरान उन्होंने पर्यवेक्षकों को संगठन को बूथ स्तर तक की समिति बनाने और सुचारू रूप से पार्टी के कार्यक्रमों को लागू कराने की जिम्मेदारी सौंपी। जिला तथा प्रखंड स्तर पर होने वाली गतिविधियों जैसे कि घर-घर प्रचार, धरना, प्रदर्शन या अन्य सामाजिक व क्षेत्रीय ज्वलंत मुद्दों पर भी बैठकों में चर्चा करके महीने भर की गतिविधियां का मासिक कार्यक्रम तैयार करेंगें। प्रत्येक पर्यवेक्षक को अपने प्रभार वाले जिलों तथा सभी प्रखंडों में दो उपाध्यक्ष,एक कार्यालय सचिव तथा एक सोशल मीडिया साथी के नाम 27 अप्रैल, तक प्रदेश कार्यालय में जमा करवाने को कहा गया है।

दिल्ली पुलिस निर्माणाधीन इमारतों पर ड्रोन से निगरानी रखेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ड्रोन के जरिए निर्माणाधीन इमारतों की निगरानी करेगी और जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद उपलब्ध कराने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करके संरचनात्मक मॉडल तैयार करेगी। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जनकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, एआई-संचालित प्रणाली न केवल संरचनात्मक कमजोरियों पर कड़ी नजर रखेगी, बल्कि आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया भी देगी, जिससे लोगों की जान बच सकेगी और आपदाओं को रोका जा सकेगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वे संवेदनशील क्षेत्रों की अतिरिक्त निगरानी के लिए समय-समय पर ड्रोन का उपयोग करते हैं, लेकिन वे यह जांचने के लिए भी ड्रोन का उपयोग करेंगे कि क्या कोई व्यक्ति अनुमत सीमा से अतिरिक्त अपने आवासीय या व्यावसायिक ढांचे का निर्माण कर रहा है। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'ड्रोन फुटेज का उपयोग कर विशेषज्ञ एक एआई-आधारित संरचना तैयार करेंगे, जो संभावित दुर्घटनाओं, क्षेत्र की स्पष्ट रुपरेखा और किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों में सहायता प्रदान करने के तरीके के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।' शहर के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार सुबह दो दशक पुरानी चार मंजिला इमारत ढह गई, जिसमें तीन बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 11 लोग घायल भी हुए। इमारत के भूतल पर चार दुकानें थीं। उन्होंने कहा, 'यह पता चला है कि इमारत ढहने का कारण शुक्रवार को दो दुकानों के बीच एक खंभा गिराना था, ताकि तीसरी दुकान के लिए जगह बनाई जा सके। 20 साल पुरानी इमारत को सहारा देने में यह खंभा अहम था।' अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे घर में लगे लोगों को लगा कि इमारत हिल रही है, लेकिन उन्होंने इसे मामूली भूकंप समझकर ध्यान नहीं दिया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि यही एआई-आधारित डेटा विभिन्न एजेंसियों के साथ भी साझा किया जाएगा जो इमारत ढहने की घटना की जांच कर रही हैं और यह डेटा अन्य एजेंसियों के लिए आवश्यक कार्रवाई करने में सहायक होगा।

दिल्ली विस को 'जीवंत विरासत स्थल' के रूप में विकसित किया जाएगा : गुप्ता

–विधानसभा भवन का होगा संरक्षण, संग्रहालय भी बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई। इसमें विशेषज्ञों और अधिकारियों के साथ विधानसभा भवन के संरक्षण और संवर्धन के लिए समग्र विकास योजना तैयार करने पर चर्चा हुई। इस दौरान विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा भवन केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश की लोकतांत्रिक विरासत का प्रतीक है। दिल्ली विधानसभा स्वतंत्र भारत की पहली संसद थी।

विधानसभा को एक जीवंत विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। जो भारत में लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के विकास और दिल्ली की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बनेगा। जनता को विधानसभा परिसर के भ्रमण का अवसर दिया जाए। इसका उद्देश्य विधानसभा की ऐतिहासिक महत्ता को देश और दुनिया में पहचान दिलाना है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) तीन सप्ताह के भीतर एक अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। परियोजना की प्रगति की निगरानी के लिए समिति गठित होगी। इसमें आईजीएनसीए, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नगर निगम, विधानसभा सचिवालय व विभिन्न विशेषज्ञों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने के लिए विधानसभा परिसर में भव्य लाइट एंड साउंड शो भी आयोजित किया जाएगा। विधानसभा के इतिहास पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का भी निर्माण होगा।

भविष्य में यहां एक संग्रहालय भी स्थापित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य विधानसभा परिसर को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विकसित करना है, जो देश-विदेश के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने। वहीं, बैठक में विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि आधुनिक संरक्षण तकनीकों को पारंपरिक मूल्यों के साथ जोड़ते हुए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि भवन की मूल संरचना की आत्मा को बरकरार रखते हुए

देश-विदेश के लोगों को समृद्ध अनुभव प्रदान किया जा सके।

आतिशी की सुरक्षा में होगी कटौती, गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी की सुरक्षा में कटौती हो सकती है। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि आतिशी को दी जाने वाली सुरक्षा को 'जेड' से घटाकर 'वाई' श्रेणी में कर दे। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह फैसला केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आतिशी को खतरे की आशंका की समीक्षा के बाद लिया गया है। इस समीक्षा में निष्कर्ष निकाला गया कि कोई नया या महत्वपूर्ण खतरा नहीं है जिसके लिए 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा जारी रखी जाए।

पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि यह निर्देश हाल ही में तब जारी किया गया जब दिल्ली पुलिस की सुरक्षा इकाई ने आतिशी की सुरक्षा कवर की स्थिति पर गृह मंत्रालय (एमएचए) से मार्गदर्शन मांगा। इससे पहले इसने आम आदमी पार्टी

(आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा स्थिति को चिन्हित किया था, जो वर्तमान में 'जेड-प्लस' श्रेणी के अंतर्गत है, और पूछा था कि क्या इसे जारी रखा जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा, ÷हालांकि मंत्रालय ने शुरू में केजरीवाल और आतिशी दोनों के लिए सुरक्षा व्यवस्था में कोई भी बदलाव न करने की सलाह दी थी, लेकिन बाद में उसने दिल्ली पुलिस को आतिशी की सुरक्षा को घटाकर 'वाई' श्रेणी में करने का निर्देश दिया।'

'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत, आतिशी को अब दिल्ली पुलिस के दो कमांडो सहित लगभग 12 कर्मियों की एक टीम द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। सुरक्षा में कटौती का मतलब कुछ विशेषाधिकारों को हटाना भी है, जैसे कि पायलट वाहन जो उनके काफिले के साथ था जब वह कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री का पद संभाल रही थीं। अधिकारी ने बताया कि मार्च में दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आप विधायक अजय दत्त और दिल्ली के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को दी गई 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने का प्रस्ताव रखा था। राजनीतिक नेताओं को सुरक्षा गृह मंत्रालय के निर्देश पर केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समय-समय पर किए गए खतरे के आकलन के आधार पर दी जाती है या संशोधित की जाती है।

आपदा को टालना मुनासिब नहीं लेकिन नुकसान को कम किया जा सकता है : प्रो संतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो संतोष कुमार ने मंगलवार को कहा कि यह सच है कि आपदा को टाला नहीं जा सकता है लेकिन सजगता से आपदा से होनेवाले जान-माल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है। प्रो संतोष मंगलवार को नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में देशभर से जुटे आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित पहाड़ी क्षेत्रों में हम 3 - 4 हजार करोड़ का निवेश तो गर्व से करते हैं लेकिन आपदा प्रबंधन पर सौ करोड़ खर्च करने में कंजूसी कर जाते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ सरकार के भरोसे रहकर आपदा प्रबंधन नहीं किया जा सकता लेकिन सरकार को साथ लेकर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के सहयोग से ऐसा किया जा सकता है। प्रो संतोष ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। आईआईएसएसएम इस दिशा में संकल्पित है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य राजेन्द्र सिंह ने बताया कि मौजूदा सरकार ने आपदा प्रबंधन के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है। यही कारण है कि अब आपदा के समय राहत कार्य बहुत तेज गति से हो रहा है। अवकाश प्राप्त आईएएस अनिल सिन्हा ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर में आपदा प्रबंधन को लेकर बहुत काम नहीं हुआ है। आईआईएसएसएम इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका स्तर तक आपदा प्रबंधन की सुविधाओं को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को दक्षिण कोरिया स्थित संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय के प्रमुख संजय भाटिया ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा को टालने के लिए उसके रिस्क को कम करना चाहिए। इसके लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वालों को समय- समय पर प्रशिक्षण लेते रहना चाहिए। इस दिशा में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। मानवता की रक्षा के लिए सभी को मिलजुल कर काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम को नेपाल स्थित सूर्योदय संस्था के प्रमुख मेयर रायबहादुर ने भी संबोधित किया।

अब इस काम के लिए भी घर-घर देगी दस्तक देगी दिल्ली पुलिस, संवर सकता है आपके बच्चे का भविष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपराध पर लगाम लगाने और ऐसे छात्रों की मदद करने के लिए एक नई पहल के अनुसार, दिल्ली पुलिस जल्द ही घर पर स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की तलाश में आपके दरवाजे तक पहुँच सकती है। एक नई पहल के अनुसार, दिल्ली पुलिस ऐसे छात्रों को बेहतर करियर के लिए परामर्श और सहायता प्रदान करने की संभावना है। दिल्ली सरकार ने शिक्षा विभाग को शहर के सरकारी स्कूलों से पढ़ाई छोड़ने वालों की पहचान करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया है।

इसके बाद यह डेटा हर छह महीने में दिल्ली पुलिस के साथ साझा किया जाएगा, जिसके बाद पुलिस उन बच्चों के दरवाजे खटखटाएगी जो स्कूल छोड़ चुके हैं और निर्णय के पीछे का कारण और उनके आगे क्या है, इसके बारे में पूछताछ करेगी और तदनुसार परामर्श और कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करेगी। अधिकारियों का लक्ष्य ऐसे बच्चों की पहचान करना है ताकि उन्हें किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने से रोका जा सके।

स्कूल छोड़ने के बाद, कई छात्रों ने संभवतः काम करना शुरू कर दिया या शहर से दूर चले गए। हालांकि, अगर कोई बेकार पाया जाता है, तो पुलिस उन्हें खोजने, परामर्श देने और बेहतर करियर के अवसरों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए उपलब्ध डेटा का उपयोग करेगी, रिपोर्ट में एक पुलिस अधिकारी का हवाला दिया गया। उन्होंने कहा कि पिछले साल अपराध में शामिल 85 प्रतिशत लोग पहली बार अपराध करने वाले थे।

अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र ने इस महीने की शुरुआत में समन्वय समिति की बैठक के दौरान शिक्षा विभाग को निर्देश जारी किए थे। दिल्ली में नई भाजपा सरकार द्वारा गठित यह समिति गृह मामलों, पुलिसिंग और कानून

व्यवस्था से संबंधित मामलों की देखरेख करती है। अधिकारी ने बताया कि 4 अप्रैल की बैठक के दौरान दो पहलुओं पर चर्चा की गई-दिल्ली पुलिस को स्कूल छोड़ने वालों की सूची उपलब्ध कराना और शहर में नशा विरोधी क्लब और लड़कों के क्लब स्थापित करना।

पेरोल के बाद फरार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पानीपत में हत्या कर फरार हुए बदमाश को करीब चार साल बाद हरियाणा से गिरफ्तार किया है। आरोपी साल-2020 में बीमार पिता का इलाज कराने के लिए मिले पेरोल के बाद से ही फरार चल रहा था। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी सोनू उर्फ चीकू नजफगढ़ के गोपाल नगर का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक साल-2016 में किसी बात को लेकर हुए विवाद का बदला लेने के लिए आरोपी सोनू उर्फ चीकू ने अपने साथियों के साथ मिलकर अनिल उर्फ मोनू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसने मोनू की पहचान छिपाने के लिए उसका सिर काटकर उसे पास के नाले में फेंक दिया था। इस मामले में वह अपने साथियों के साथ दबोचा भी गया था। लेकिन पेराल लेकर फरार हो गया था। तभी से उसकी तलाश की जा रही थी। इस बीच क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि आरोपी वर्तमान में ट्रक ड्राइवर के रूप में काम कर रहा है ओर वह हरियाणा में आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे धर दबोचा।

'सुप्रीम कोर्ट के अलावा कुछ भी मैनेज कर सकती है बीजेपी', आम आदमी पार्टी ने सका तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि पार्टी को लोगों द्वारा चुनी गई सरकारों के प्रति कोई सम्मान नहीं है और उन्होंने भाजपा सरकार पर निर्वाचित पार्टी के काम में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता द्वारा चुनी गई सरकारों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। वे अपने एजेंटों को राज्यपाल और उपराज्यपाल नियुक्त करते हैं जिनका एकमात्र काम समानांतर सरकार चलाना और चुनी हुई सरकार के काम में बाधा डालना है।

प्रियंका कक्कड़ ने आगे कहा कि यह मामला और भी गंभीर हो गया है, क्योंकि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर बात की और बताया कि कैसे तमिलनाडु के राज्यपाल कई मामलों में गलत थे। उन्होंने आगे दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट एकमात्र ऐसी जगह है जिसे भाजपा द्वारा प्रबंधित नहीं किया जा सकता, और यह कि अदालत भाजपा की अवैध गतिविधियों का भी खुलासा करती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सुप्रीम कोर्ट के अलावा कुछ भी मैनेज कर सकती है।

कक्कड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी की गैरकानूनी गतिविधियों को उजागर किया; इसने हाल ही में चुनावी बोर्ड में सरकार को बेनकाब किया और बताया कि कैसे ये बॉन्ड मनी लॉन्ड्रिंग का नतीजा थे। इसने बताया कि कैसे दिल्ली में केवल चुनी हुई सरकार को ही ये सेवाएँ मिलेंगी, बीजेपी के एजेंटों को नहीं। आप सदस्य ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बार-बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करती है। हाल ही में उनके समर्थकों ने उन्हें भारत का शरिया कोर्ट कहना शुरू कर दिया था। हाल ही में हमने देखा कि निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के बारे में क्या कहा। इस देश में कई तानाशाह आए और चले गए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट हमेशा सर्वोच्च रहा है और यह उन्हें उनकी गलतियों के लिए जवाबदेह ठहराता रहेगा। इससे पहले शनिवार को प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा नेता निशिकांत दुबे के सुप्रीम कोर्ट पर दिए गए बयान को ÷घटिया÷ बताया और उम्मीद जताई कि शीर्ष अदालत भाजपा नेता के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगी।

सीएम से मिला सम्मान, सर कार्यवाह से सीख

गोरखनाथ सेवा यात्रा के कार्यकर्ता बोले- मुहिम बढ़ती जाएगी, लोगों का इलाज कराते रहेंगे

लखनऊ। में नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के सम्मान समारोह में श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के 30 कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। इनमें अलग-अलग क्षेत्रों के सामाजिक कार्यकर्ता, डॉक्टर्स समेत कई लोग शामिल रहे। इन लोगों ने गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास की पहल को और आगे ले जाने पर जोर दियाइइऊ ग्रुप के प्रमुख विराज सागर दास ने बताया कि उन्हें भी इस मुहिम से जुड़ने का अवसर मिला। इइऊ ग्रुप के डेंटल फैकल्टी के कई स्टूडेंट्स भी लगातार जनजातियों के लिए काम कर रहे हैं। ये किसी एक का नहीं, सभी का प्रयास है।सीएम के हाथों सभी को सम्मान पाने का अवसर मिला। आज का दिन इसलिए भी अहम है क्योंकि सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले भी मौजूद रहे। उनकी सीख हम सभी के लिए बेहद फायदेमंद रहेगी।गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के प्रमुख डॉ. एमएलबी भट्ट ने बताया कि सम्मान समारोह में बेहद भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉक्टर्स और मेडिकल स्टूडेंट्स मौजूद रहे। बड़ी संख्या में कार्यकताओं को सिर्फ नाम लिया गया पर ये सभी के लिए गौरव के क्षण थे।गुरु की वाणी जिसमें सेवा के महत्व को बताया गया है। वे लाइनें हैं- न धन मागें, न मान मागें, सेवा मागें संत। जो सेवा में लीन हैं, ता पर दया अनंत।।अयोध्या में 15 हजार को मिला इलाजअयोध्या के शांतनु सिंह ने कहा कि जनवरी में ठटड की तरफ से अयोध्या में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसमें 15000 मरीजों की फ्री में जांच हुई। जिनका मोतियाबिंद का इलाज होना था, उन्हें बाराबंकी लाकर ऑपरेशन कराया गया।इन मरीजों के इलाज के लिए एम्स भोपाल के डायरेक्टर भी मौजूद थे। इसे अलावा KGMU, लोहिया संस्थान के भी कई बड़े और दिग्गज डॉक्टर मौजूद थे। स्थानीय डॉक्टर भी इलाज कर रहे थे। करीब 15 हजार से ज्यादा मरीजों को इलाज मिला था। आज सीएम और सर कार्यवाह के हाथों सम्मान मिला है। इससे आगे और काम करने की प्रेरणा मिलती है।बलरामपुर के नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने बताया कि साल 2019 में जब इस यात्रा का आगाज हुआ तो बलरामपुर के बॉर्डर क्षेत्र के लोगों के लिए काम करने का मौका हमको भी मिला। इसके तहत हर साल देवीपाटन मंदिर प्रांगण में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन भी किया जाता है।भविष्य में इसे और आगे तक ले जाना है मकसदइस यात्रा का नतीजा है कि वहां के सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले 500 वनटांगिया परिवारों को जमीन का प्रमाण पत्र मिला है। आगे भी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इस यात्रा के जरिए कैंप लगाकर स्वास्थ्य सेवाओं को मुहैया कराया जाएगा।2019 से हो रहा आयोजनगोरखनाथ यात्रा के प्रभारी किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित रूंगटा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल की प्रेरणा से वर्ष 2019 में गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा प्रारंभ हुई थी। तब से प्रतिवर्ष भाऊराव देवरस सेवा न्यास और नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाजेशन (NMO) के सहयोग से गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।डॉ. भूपेंद्र ने बताया कि कार्यक्रम में बेहतरीन योगदान देने वाले ऐसे 30 सहयोगियों को सम्मानित किया गया। हालांकि, इनकी संख्या कही ज्यादा थी, पर हम सभी को प्रेरित करने में कामयाब जरूर रहे। कार्यक्रम के दौरान 6 जिलों के 3 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता मौजूद रहे।इनका हुआ सम्मानशांतनु सिंह, सृष्टि, अवधेश वर्मा, डा. मधूलिका सिंह, संदीप बंसल, जतिन वर्मा, अभिनव भार्गव, बिराज सागर दास, शरद जैन, विवेक वर्मा, आनंद शेखर, मथुरेश श्रीवास्तव, अखिलेंद्र दुबे, डॉ. श्लोक सिंह, डॉ. सौरभ गर्ग, डॉ. मनीष सिंह, योगेश पटेल, सुनील कालरा, यशवर्धन अग्रवाल, डॉ. आर के ठुकराल, सुरेश अग्रवाल, गिरीश, डॉ. रोहित प्रसाद, डॉ. विनीत मिश्रा, डॉ. एपी सिंह, पीयूष सिंह चौहान, मोहम्मद सलीम और दीपेश गुप्ता को मुख्यमंत्री व सरकार्यवाह के हाथों सम्मानित किया गया।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन, क्षेत्र प्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक कौशल, इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री संजय, प्रांत संघचालक सरदार स्वर्ण सिंह, संघ के वरिष्ठ प्रचारक वीरेंद्र सिंह, क्षेत्र कुटुंब प्रबोधन प्रचारक प्रमुख अशोक उपाध्याय, अशोक केडिया, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा सिंह, सामाजिक समरसता विभाग के प्रांत संयोजक राजकिशोर, पर्यावरण गतिविधि के ललित श्रीवास्तव, विशेष संपर्क प्रमुख प्रशांत भाटिया, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय, एमएलसी अनूप कुमार गुप्ता, लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह, डॉ. कृतिका सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

जिलाधिकारी के दरबार में आई 90 फरियादों में ज्यादातर का किया मौके पर डिस्पोजल

हमीरपुर/ भव्य खबर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में फरियादियों की फरियादों को सुनकर बेहतर तरीके से वख्त पर डिस्पोजल करने के निर्देश दिये। इस मौके पर करीब 90 फरियादें आईं, जिनमें ज्यादातर फरियादों का कार्यकुशल जिलाधिकारी ने बेहतर तरीके से फौरन डिस्पोजल कर दिया। जबकि बाकी फरियादों के डिस्पोजल के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित अधिकारियों के साथ वर्चुअल,जूम एप के जरिये बैठक कर उनके फौरन डिस्पोजल के लिये निर्देशित किया। साथ ही कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ सहित अधिकारी नियमित तौर से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का बेहतर तरीके से फौरन डिस्पोजल करें,जबकि इसमें किसी तरह किसी लापरवाही न बरती जाय। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित दूसरे जरियों से आने वाले मामलों का अधिकारी मौके पर जाकर बेहतर तरीके से डिस्पोजल कर वख्त पर रिपोर्ट भेजें।

दिशा, शुभम, अनुराग और गौरव ने उत्तीर्ण की यूपीएससी मेंस परीक्षा,बढ़ाया सम्मान

सुलतानपुर / भव्य खबर । जनपद के चार होनहार युवाओं ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। कुड़वार थाना क्षेत्र के ऊंच गांव की दिशा द्विवेदी, अखंडनगर के हरपुर के शुभम मिश्रा और राहुलनगर ताजुद्दीनपुर के गौरव पटेल व जयसिंहपुर के गौहनिया ने यह उपलब्धि हासिल की है। लखनऊ में प्रोफेसर डॉ. महेंद्र द्विवेदी की बेटी दिशा ने अपने पिता का सपना साकार किया है। दिशा ने लखनऊ से प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। केंद्रीय विद्यालय लखनऊ से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के बाद नोएडा से 2020 में बीटेक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने आईएएस की तैयारी शुरू की और 18-20 घंटे के कड़े परिश्रम से सफलता हासिल की। दिशा ने 672 वीं रैंक प्राप्त की है। शुभम मिश्रा ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 333वीं रैंक हासिल की है। आईआईटी दिल्ली से बीटेक करने वाले शुभम पहले भी 2022 में 688वीं रैंक के साथ आईडीएएस में चयनित हुए थे। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने संयुक्त परिवार को दिया है। गौरव पटेल सेवानिवृत्त इफको क्षेत्रीय प्रबंधक घनश्याम वर्मा के पुत्र हैं। उन्होने 613वीं रैंक हासिल की है। वर्तमान में लखनऊ में रह रहे इस परिवार में गौरव के छोटे भाई सौरभ पटेल भी सिविल सेवा की तैयारी कर रहे हैं। उधर मोतिगरपुर क्षेत्र के होनहार अनुराग रंजन वत्स ने यूपीएससी 2024 में 651वीं रैंक हासिल किया है। अनुराग मूल रूप से कोतवाली कादीपुर क्षेत्र के घूरीपुर गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में कोतवाली जयसिंहपुर के गौहनिया गांव में रहते हैं।

मंत्री दिनेश सिंह ने राहुल गांधी पर कसा तंज, कहा किस जाती के रजिस्टर में लिखा जाए नाम

सुलतानपुर / भव्य खबर । प्रदेश के योगी सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिनेश प्रताप सिंह मंगलवार को सुलतानपुर पहुंचे। यहां शहर स्थित अमहट मंडी में विभागीय समीक्षा बैठक के साथ वे मंडी एवं उद्यान विभाग के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। मीडिया से बात करते हुए वे राहुल गांधी पर आक्रमक दिखे। उन्होंने कहा अगर जातिय जनगणना कराना है तो मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं पहले देश वासियों को ये बता दो तो कौन वाली जाति के रजिस्टर में राहुल गांधी का नाम लिखा जाएगा। हम करने के लिए तैयार हैं। मंत्री दिनेश सिंह ने कहा जातिगत जनगणना की बात करने वाले राहुल गांधी हों या पीडीए के संयोजक अखिलेश यादव हों दोनों लोगों से मैं पूछना चाहता हूं जिस कुंभ की आप चर्चा कर रहे हो 65 करोड़ लोगों ने गरीब अमीर बैक वर्ड अपर कास्ट, सबने एक साथ गंगा स्नान किया इससे बेहतर कही पीडीए हो सकता है। आप जातिए जनगणना की बात विपक्ष कर रहा है। मैं पूछना चाहता हूं हमको जाति में क्यों बांटना चाहते हो ? हम लोग तो सबका साथ सबका विकास अवधारणा के साथ देश के प्रधानमंत्री देश को आगे बढ़ा रहे हैं। तो कौन सा पीडीए और कौन सा जाति जनगणा। उन्होंने ये भी कहा राहुल गांधी और अखिलेश यादव की बातों में सत्यता होती तो सत्ता उनके पास होती। मोदी और योगी की बातों में सत्यता है इसलिए देश की जनता भारतीय जनता पार्टी की सरकारों को चुन रही है। सत्य मोदी और योगी के साथ है असत्य अखिलेश यादव के साथ है और वो अपने दायित्वों का निर्वाहन कर रहे हैं।

वक्फ बोर्ड बना वसूली और धर्मांतरण का अड्डा: पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी का सनसनीखेज आरोप

सुलतानपुर / भव्य खबर । वक्फ संपत्ति कानून में संशोधन को लेकर जहां देश भर में राजनीतिक हलचल है, वहीं सुल्तानपुर के लंभुआ से भाजपा के पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी का एक विवादास्पद वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने वक्फ बोर्ड की शक्तियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पूर्व विधायक का कहना है कि ह्लवक्फ बोर्ड के पास ऊल-जुलूल शक्तियां थीं, जिनका दुरुपयोग कर वसूली, जबरन कब्जा और यहां तक कि धर्मांतरण जैसे कार्य किए जा रहे थे। वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड बिना किसी वैध दस्तावेज के जमीनों पर दावा कर देता था और हैरानी की बात यह थी कि प्रमाण ु४१ील्ल दूसरे पक्ष पर डाल दिया जाता था। आदिवासी क्षेत्रों में वक्फ बोर्ड की ओर से नोटिस भेजे जाने के बाद लोग डर के मारे धर्मांतरण तक को मजबूर हो रहे थे। उन्होंने कहा, ह्लगांव का आदिवासी सोचता है कि इस्लाम कबूल कर लेंगे तो जमीन बच जाएगी। पूर्व विधायक ने दावा किया कि वक्फ बोर्ड के लोग जिस किसी को जमीन विवाद में फंसा देते, वह या तो पैसे दे देता या अपनी जमीन औने-पौने में बेच देता। आप भू-माफिया हो जाते हैं, उन्होंने कहा। पूर्व विधायक ने कहा कि ऐसे ह्यअनियंत्रित अधिकारोंह्ण के चलते वक्फ बोर्ड में संशोधन आवश्यक था और केंद्र सरकार का कदम सही दिशा में है। पूर्व विधायक के इस बयान से एक नई राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। वहीं विपक्षी दल और मुस्लिम संगठनों ने इसे ह्यभड़काऊ और गैर-जिम्मेदारानाह्ण बयान करार दिया है।

नई दिशा की पहल::पृथ्वी दिवस पर प्रकृति संरक्षण का लिया गया संकल्प

संवाददाता
कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा।पृथ्वी दिवस पर नपा कुशीनगर के सिसवा - महंथ, पकड़ियार स्थित सरदार पटेल पूर्वांचल पूर्व माध्यमिक विद्यालयपौधरोपण कर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया गया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में।नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने कहा कि हम प्रकृति के साथ रहेंगे तो प्रकृति हमारे साथ रहेगी। बढ़ते प्रदूषण से प्रकृति के संरक्षण और पृथ्वी को बचाने हेतु अधिकाधिक पौधों को लगाने व बचाने के साथ दैनिक जीवन में भौतिक वस्तओं के प्रयोग को कम करना होगा। रोजमर्रा के जीवन में बढ़ रहे एसी, मोटर कार, प्रेस किये कपड़े, डिटर्जेंट, मशीनों के प्रयोग आदि से स्वयं को यथा सम्भव दूर रखना होगा। जहां तक सम्भव हो पुरातन संस्कृति की ओर लौटना होगा।संचालन उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र ने किया। प्रधानाचार्य आमोद कुमार सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से पृथ्वी को बचाने के लिए जल, मृदा, वायु, ध्वनि, इलेक्ट्रानिक आदि प्रदूषण को कम करने के लिए जागरूक होना होगा। इस दौरान शिक्षक रविन्द्र सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, आँचल कुशवाहा, रीना मिश्रा, सुनीता सिंह, शीला सिंह, रानी सिंह, अंजली सिंह, विश्वनाथ प्रसाद कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

उमा यू टेक कम्प्यूटर कालेज ने दस छात्राओं को किया सम्मानित।

संवाददाता
कुशीनगर। उमा यू टेक कंप्यूटर कॉलेज हाटा निकट गौरी बाजार तिराहा स्थित सेंट्रल बैंक के बगल में पुरस्कार वितरण समारोह में परीक्षा मे कॉलेज को टॉप करने वाली छात्रा काजल मद्धेशिया, प्रथम स्थान पर धनंजय मिश्रा, दूसरे स्थान पर खुशी सिंह, तृतीय स्थान पर ज्योति सिंह और अन्य छात्र/छात्राओ को सम्मानित किया गया। कॉलेज के प्रबंधक सर्वजीत कुमार श्रीवास्तव प्रिंसिपल विनय सिंह, वॉइस प्रिंसिपल सुधीर यादव, शिक्षक भीम बर्नवाल अन्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान सर्वजित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि छात्र एवं छात्राओं को पढ़ाई कर के विद्यालय तथा अपने माता पिता का नाम रौशन करना चाहिए। पढ़ाई जीवन का आधार है जिस परिवार में शिक्षा का अभाव है वह परिवार आज भी अधकार है।

विश्व धरोहर दिवस: चित्रकला प्रतियोगिता में परी प्रथम, आकांक्षा द्वितीय

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर संस्कार भारती जिला इकाई कुशीनगर के तत्वावधान में बुद्ध स्थली रामाभार स्तूप परिसर कुशीनगर में चित्रकला प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें परी वर्मा प्रथम, आकांक्षा शर्मा द्वितीय एवं अंजली उपाध्याय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। रिया वर्मा, अमृता सिंह, सना शेख, श्वेता सिंह, अपाला यादव, रंजना यादव, निर्जला, अंशिका पांडेय, श्वेता पटेल, सिद्धि सिंह, श्रेया सिंह, सपना कुशवाहा, अर्पिता सिंह, अंकित सोनकर, कृष्णा चौरसिया, अनुज सिंह और फैज हसन को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।निर्णायक मंडल में अवकाश प्राप्त न्यायाधीश संतोष कुमार श्रीवास्तव, संस्कार भारती के अध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. कालिंदी त्रिपाठी, डॉ. सीमा गुप्ता, वीरेश राय एवं सुरेश प्रसाद गुप्त रहे ' अध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह 27 अप्रैल रविवार को संपन्न होगा। उक्त प्रतियोगिता में महर्षि अरविंद विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय केशव नगर कसया, लिंह सन इण्टर कॉलेज कुशीनगर एवं स्वर्गीय फूलमती इंटर कॉलेज कुशीनगर के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सुमन मणि त्रिपाठी, सुधा रानी जयसवाल, शशि प्रभा सिन्हा, वंदना मद्धेशिया, शैलेश कुमार, अमिय गुप्त, उमेश चंद्र गुप्त सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दी '

नशा मुक्त अभियान यात्रा वाहन के पूर्व विधायक और नपा अध्यक्षा ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता
कुशीनगर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत रामजानकी मठ से शोभायात्रा निकाली गई।
पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, नपा अध्यक्षा किरन जयसवाल, राकेश जायसवाल, डॉ सीपी गुप्ता ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाते हुए रवाना किया। यात्रा ओवरब्रिज से होते गोला बाजार, गांधी चौक, बस स्टैंड, अमिय चौक से होते सपहा रोड पहुंची। जागरूक नागरिकों ने अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी एवं ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। जनपद संचालिका मीरा दीदी एवं फाजिलनगर की संचालिका भारती दीदी ने कहा की मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना के लिए राजयोग द्वारा मानव जीवन को तनाव मुक्त व व्यसन मुक्त करके उनके अंदर देवत्व को जागृत करना एवं तंबाकू, गुटखा, पान, शराब, सिगरेट, बीड़ी जैसी नशीली पदार्थों को छोड़ने के लिए लोगों को प्रेरित करना अभियान का लक्ष्यहै। ब्रह्माकुमारी बहनें स्मिता दीदी, अमृता दीदी ने व्यसन से होने वाले नुकसान और उससे बचने के उपाय बताएं। शोभा यात्रा का स्वागत सभासद अमेरिकन सिंह, राजन मद्धेशिया, विकास मद्धेशिया, समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कृष्णकुमार ने किया। इस दौरान कालिंदी त्रिपाठी, बीना, दिनेश तिवारी, दीपक, कृष्णकुमार तिवारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष उमेश, राजन, पूर्व सभासद राजू, किशोर, मनोज, राधिका, सूरज, उदयभान, बिंदु, राधेश्याम, रामप्रीत, जवाहर, कन्हैया व सम्मानित भाई - बहन मौजूद रहे।

ट्रक ने महिला को 200 मीटर घसीटा, आधा सिर गायब

आगरा। में ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में दूसरे ट्रक ने सामने से आ रही स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्कूटी सवार महिला ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई। गाड़ी समेत करीब 200 मीटर तक घिसटती चली गई। सिर का आधा हिस्सा गायब था। आंखें तक बाहर आ गई थीं। शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। हादसे के बाद स्कूटी में आग लग गई। 15 मिनट में पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई। हादसे के समय स्कूटी पर जेठानी-देवरानी सवार थीं। जेठानी की जलकर मौत हो गई, जबकि टक्कर के बाद देवरानी गाड़ी से दूर जाकर गिरी, जिससे उसकी जान बच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। देवरानी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक गाड़ी समेत फरार हो गया। घटना शमशाबाद थाना क्षेत्र में सोमवार शाम सैयां-इरादत नगर मार्ग पर बीकापुर नहर के पास की है।फिरोजाबाद की रजनी (31) अपनी देवरानी मंजू (30) के साथ सोमवार सुबह 8 बजे इरादत नगर में माता के मंदिर गई थी। शाम करीब 4.30 बजे दोनों स्कूटी से घर लौट रही थीं, तभी बीकापुर नहर के पास ओवरटेक करने के चक्कर में सामने से आ रहे ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी।टक्कर लगने के बाद रजनी और मंजू दोनों स्कूटी समेत गाड़ी के अगले हिस्से में फंस गईं। मंजू थोड़ी दूर घिसटने के बाद गाड़ी से छूटकर अलग हो गई। जबकि रजनी गाड़ी में ही फंसी रहीं। मंजू ने बताया कि ट्रक में फंसे रहने के दौरान ही स्कूटी में आग लग गई। इस वजह से उसके हाथ-पैर झुलस गए। घिसटने के कारण मंजू के सिर में भी गंभीर चोट आई है।रजनी का शव आग जलती स्कूटी के बगल में करीब 15 मिनट तक पड़ा रहा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पर चादर डाली। मंजू को आगरा से दिल्ली रेफर कर दिया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, वह 80% तक झुलस चुकी हैं।देवरानी के बच्चे नहीं थे , मन्नत मांगने जाती थीं मंदिरपरिजनों ने बताया कि मंजू देवी की शादी 7 साल पहले ललित से हुई थी। उनके पति गुजरात में हलवाई का काम करते हैं। शादी के 7 साल बाद भी मंजू के कोई संतान नहीं हुई। ललित के चचेरे भाई सनी की ससुराल आगरा के इरादत नगर क्षेत्र के भिडावली गांव में है, जहां नगरकोट वाली माता का मंदिर है। संतान प्राप्ति की मन्नत को लेकर मंजू देवी पिछले 2 साल से हर सोमवार को मंदिर जा रही थीं।
हादसे में जान गंवाने वाली रजनी के पति अजब सिंह भी गुजरात में हलवाई का काम करते हैं। रजनी उनकी दूसरी पत्नी थीं। रजनी के दो बेटे हैं, जिनकी उम्र 12 और 10 साल है। अजब सिंह की पहली पत्नी से भी तीन बच्चे हैं, जिनका लालन-पालन रजनी कर रही थीं।रजनी के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। परिवार के पास 2-3 बीघा जमीन है। जेठानी और देवरानी दोनों घर के काम के साथ खेती का भी काम करती थीं।पुलिस ने दोनों ट्रक को ट्रेस कियाजेठ धर्मवीर ने बताया कि वह भी अपनी गाड़ी से देवस्थान पर गए थे। उन्होंने साड़ी से बहू रजनी की पहचान की। इंस्पेक्टर शमशाबाद हंसराज भदौरिया ने बताया, घटना में आगे की कार्रवाई की जा रही है। परिजनों ने थाने पहुंचकर शिकायत दी है। दोनों ट्रकों को ट्रेस कर लिया गया है। उनको पकड़ने के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं। रजनी का अभी पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ है।

संक्षिप्त डायरी

भोजपुर में करंट लगने से युवक की मौत

भोजपुर/ भव्य खबर। के बड़हरा थाना क्षेत्र में करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घर में दीवार पर पेंट करते समय अचानक बिजली का झटका लगा और जमीन पर गिर पड़ा। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही जान चली गई। घटना बखोरापुर गांव की है। मृतक असित कुमार(30) रांची माइंस में सुपरवाइजर के पोस्ट पर तैनात था। 4 दिन बाद चचेरी बहन की शादी होनी थी। शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर आया था। पिता की मौत के बाद घर में कमाने वाला अकेला था।मृतक के चाचा संतोष सिंह ने बताया कि उनकी बेटी हर्षू की शादी 26 अप्रैल को होनी वाली है। बहन की शादी के लिए असित रांची से 18 अप्रैल को गांव आया था। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। मामले की सूचना पर पुलिस टीम सदर अस्पताल पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। पिता की मौत के बाद घर की जिम्मेदारी इकलौते बेटे असित पर ही था। मौत के बाद परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है।

ऑपरेशन के दो दिन बाद मरीज की मौत

मोतिहारी/ भव्य खबर। के सुगौली नगर पंचायत के वार्ड पार्षद पति मुस्ताक आलम (45) की मौत हो गई। बताया गया कि वे पथरी के ऑपरेशन के मोतिहारी के एक निजी क्लिनिक में भर्ती हुए थे। जिसके दो दिन पहले उनका सफल ऑपरेशन हुआ था। सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। जिसके बाद उनके परिजनों ने डॉक्टर और कंपाउंडर को खोजा। लेकिन अस्पताल में सिर्फ एक नाबालिग बच्चा मौजूद था। वह कोई मदद नहीं कर पाया। इसी दौरान मरीज की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल का समूचा स्टाफ मौके से फरार हो गया। परिजनों का आरोप है कि बड़े अस्पताल में रात में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। इसलिए समय पर इलाज नहीं मिल सका। घटना की जानकारी के बाद स्थानीय लोगों ने आक्रोशित परिजनों को शांत कराया। परिजन शव लेकर घर चले गए। अस्पताल प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। लोग मामले की जांच की मांग कर रहे हैं।

भागलपुर में कपल और परिजनों के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा

भागलपुर/ भव्य खबर। के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र में प्रेमी जोड़े और परिजनों के बीच जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। लड़की एक साल पहले घर छोड़कर अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी। दोनों ने दिल्ली में जाकर शादी कर ली। आज ही शहर लौटी थी बाल्टी कारखाना के पास लड़की के परिजन उसे देखते ही भड़क गए। जबरदस्ती घर ले जाने लगे। लेकिन वो मां-पिता के साथ जाना नहीं चाहती थी। लड़की का कहना है कि कुछ भी हो जाए, इसी लड़के के साथ रहूंगी। जबकि परिजनों का कहना है कि बेटी अभी नाबालिग है।हंगामा बढ़ने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दोनों को थाने लेकर आ गई। प्रेमिका मौसम कुमारी ने बताया कि हम दोनों ने एक-दूसरे से सच्चा प्यार किया है। मैं बालिग हूं और अपनी मर्जी से अजय के साथ शादी किया है। मैं उसके साथ ही रहूंगी। वहीं, प्रेमी अजय ने कहा कि हम दोनों प्यार करते हैं। एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते हैं। हर हाल में घर लेकर जाएंगे लड़की के चाचा राजीव कुमार ने कहा कि मेरी भतीजी अभी नाबालिग है। उसे बहलाफुसलाकर भगाया गया है। हर हाल में वापस अपने घर ले जाना चाहते हैं। पुलिस का कहना है कि मेडिकल जांच और दस्तावेजों के आधार पर लड़की की उम्र का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पटना में दिनदहाड़े 6 राउंड से अधिक फायरिंग

पटना / भव्य खबर। के पीरबहोर इलाके रामसहाय लेन में अपराधियों ने 6 राउंड से अधिक फायरिंग की गई है। घटनास्थल से 3 खोखा और 1 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। घटना के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। गोलीबारी की पुष्टि टाउन ऊरढ दीक्षा ने की है। ऊरढ दीक्षा ने बताया कि पुराने विवाद में गोली चलने की आशंका है। मौके से 3 खोखा और 1 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। किसी को गोली नहीं लगी है। अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए हैं। CCTV फुटेज के आधार पर छानबीन हो रही है। अभी तक किसी के द्वारा इस मामले में आवेदन नहीं दिया गया है।

किसान हमारे अन्नदाता बक्सर कल्याण कार्यक्रम में बोले बिहार के डिप्टी सीएम

बक्सर/ भव्य खबर। बिहार के बक्सर में राज्य के किसानों की समस्याओं को सुनने और उनके निराकरण के उद्देश्य से किसान कल्याण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किसानों से बातचीत की. उन्होंने इस दौरान राज्य और केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी. कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव कृषि विभाग संजय कुमार अग्रवाल ने की. इस कार्यक्रम का मकसद कृषि क्षेत्र में नवाचार, युवाओं की भागीदारी और योजनाओं को धरातल पर लागू करते हुए अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करना था. डिप्टी सीएम ने कहा कि यह संवाद किसानों के हित में मील का पत्थर साबित होगा. कार्यक्रम के दौरान कृषक युवा कल्याण सम्मान के तहत उन किसानों को सम्मानित किया गया जिन्होंने कृषि आधारित स्वरोजगार, जैविक खेती, बीज उत्पादन, मशरूम उत्पादन और विशेष किस्म की फसल उत्पादन में अनुकरणीय कार्य किया है. इस अवसर पर उपेन्द्र सिंह (बीज उत्पादन), विनोद तिवारी (जैविक खेती), सरिता देवी (मशरूम उत्पादन) और कमलेश पांडेय (सोनाचुर चावल की खेती) को विशेष रूप से सम्मानित किया गया. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी है, चाहे वह डीजल अनुदान हो या फसल क्षति अनुदान. साथ ही आदरणीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान, जलवायु अनुकूल खेती, बीज वितरण, प्रशिक्षण तथा ग्रामीण कृषि बाजारों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है.

मेरे आग्रह पर पंचायती राज दिवस पर पी.एम आ रहे

मुंगेर में ललन सिंह ने की योजनाओं की समीक्षा, बोले-37 हजार जीविका दीदियां बनीं लखपति

मुंगेर। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय पशुपालन मंत्री ललन सिंह ने केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन ने अधिकतर योजनाओं में लक्ष्य हासिल कर लिया है। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना का लक्ष्य पूरा हो चुका है। 37,596 जीविका दीदियां लखपति बन चुकी हैं। स्वच्छता के क्षेत्र में 457 गांव खुले में शौच से मुक्त हो चुके हैं। हालांकि, दो क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। ग्रामीण सड़कों का निर्माण और रखरखाव तथा हर घर नल-जल योजना का रखरखाव अभी धीमी गति से चल रहा है। मंत्री ने जिलाधिकारी को इन विभागों की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया।विकास की नई योजनाओं में जिले में डेयरी प्लांट और सीमेंट फैक्ट्री की स्थापना के लिए जमीन चिह्नित करने का निर्देश दिया गया है। मुंगेर नगर निगम के 13 वार्डों में जहां अभी तक प्रधानमंत्री जलापूर्ति योजना शुरू नहीं हुई है। वहां जल्द ही पानी की आपूर्ति शुरू करने का आश्वासन दिया गया है।प्रधानमंत्री की सभा होगी ऐतिहासिक बिहार के प्रधानमंत्री के आगमन के सवाल पर उन्होंने केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मेरे आग्रह पर पंचायती राज दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को मधुबनी आ रहे है। उन्होंने कहा कि मधुबनी में होने वाली प्रधानमंत्री की सभा ऐतिहासिक सभा होगी। इस बैठक में जमुई सांसद अरुण भारती, तारापुर जदयू विधायक राजीव कुमार सिंह , भाजपा विधायक प्रणव कुमार यादव ,जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सहित सभी विभाग के अधिकारी इस समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

मां कसम खाकर बोल रहे है 2000 हजार लगा

वैशाली। के बिदुपुर प्रखंड कार्यालय में एक डाटा ऑपरेटर द्वारा रिश्वत मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल हुए वीडियो में डाटा ऑपरेटर विकास कुमार कार्यालय की दीवार के पास खड़े होकर महिला से पैसों की मांग कर रहे हैं। महिला ने आर्थिक तंगी बताते हुए 200 रुपए दिए।उन्होंने बीमारी का हवाला देते हुए बाकी पैसे बाद में देने की बात कही। लेकिन ऑपरेटर ने इनकार कर दिया। हालांकि इस मामले में बीडीओ मनीष भारद्वाज ने कार्रवाई करते हुए डाटा ऑपरेटर विकास कुमार को निलंबित कर दिया है। दरअसल घटना 3 अप्रैल से पहले की बताई जा रही है। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया गया कि घटना पानापुर की रहने वाली रिंकू देवी से जुड़ी है। वह तीन महीने से अपने दो बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र के लिए कार्यालय का चक्कर लगा रही थीं।

उत्पाद विभाग के वाहन को मारी टक्कर, चालक घायल

औरंगाबाद। जिले के देव केताकी नहर रोड पर मंगलवार सुबह एक शराब तस्कर ने उत्पाद विभाग की टीम पर हमला कर दिया। बाइक से भागने के दौरान उसने विभाग के वाहन चालक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल चालक राजेश कुमार को सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि एक बाइक सवार भारी मात्रा में शराब लेकर जा रहा है। इस सूचना पर सब इंस्पेक्टर रमज जमा के नेतृत्व में टीम ने देव केताकी नहर रोड पर वाहन जांच शुरू की। जांच के दौरान जैसे ही एक संदिग्ध बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया, उसने रफ्तार बढ़ा दी और उत्पाद विभाग के चालक राजेश कुमार को टक्कर मार दी। इस टक्कर में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गए।बताया गया है कि घटना के तुरंत बाद टीम ने बाइक सवार तस्कर को खदेड़कर पकड़ लिया। उसके पास से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई है। उसकी बाइक को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।जिले में पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं उत्पाद अधीक्षक अनिल आजाद ने कहा कि मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब शराब तस्करों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया हो। इससे पहले कुटुंबा थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष कमलेश पासवान और थाना मैनेजर गंगेश कुमार को बोलेरो सवार शराब तस्कर ने रौंद दिया था। एक अन्य घटना में संडा मटपा पथ पर शराब से भरी स्कॉर्पियो ने थानाध्यक्ष कमलेश राम और उनके चालक को टक्कर मार दी थी।

लालू राज में विकास नहीं, फिरौती का धंधा चलता था

बेगूसराय। में बीजेपी के सीनियर नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लालू परिवार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लालू राज में विकास नहीं, फिरौती का धंधा चलता था। विपक्ष से पूछिए कि उन्होंने अपने शासनकाल में क्या किया। क्या सिमरिया में सिक्स लेन पुल बना दिया। उनके शासनकाल में पटना से बेगूसराय आने में 5 घंटे से अधिक का समय लगता था। अभी डेढ़ घंटा लग रहा है। यह पुल को मोदी जी और नीतीश कुमार के शासनकाल में बना है। बिहार की जनता सब देख रही है। मैं तो लोगों से कहता हूं देखो बरौनी फर्टिलाइजर बंद हो गया था। उसको किसने खुलवाया। इस फैक्ट्री में अब फिर से यूरिया बन रहा है।बरौनी रिफाइनरी, बरौनी एनटीपीसी, मुंगेर पुल, सिमरिया पुल यह विकास नहीं तो और क्या है। विपक्षी दल लोगों को भ्रम में डालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह चलने वाला नहीं है। लालू यादव ने अपने जमाने में केवल लूटपाट और फिरौती का धंधा ही किया है। आज लोगों को रोजगार मिल रहा है।बंगाल में हिंदुओं को परेशान किया जा रहा हैपश्चिम बंगाल में बीजेपी ने हिंदू वोटरों के लिए मुस्लिम बाहुल्य इलाके में अलग से पोलिंग बूथ बनाने की मांग की है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग को एक्शन लेना चाहिए। बंगाल बीजेपी ने जो मांग की है, इससे पता चलता है कि वहां मुसलमान काफी परेशान कर रहे हैं।ममता बनर्जी के नेतृत्व में हिंदू वोटरों को चुनाव में धमकाया जाता है। वोट डालने नहीं देता है। इसलिए बंगाल बीजेपी की मांग में दम है। ममता बनर्जी के व्यवहार से वहां के हिंदू वोटर डरे हुए हैं। चुनाव आयोग ने अगर स्पेशल एक्शन नहीं लिया तो हिंदू वोटरों को बड़ी दिक्कत होगी।

मटन पार्टी में फायरिंग एक के सिर में लगी गोली,मौत

मुंगेर। में सोमवार देर रात एक मटन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी हुई। इस घटना में एक व्यक्ति के सिर में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महेशपुर मनियारचक शिल्हा गांव निवासी रवि कुमार उर्फ रावो पासवान(35) के रूप में हुई। घटना के संबंध में बताया गया कि नेता भाजपा नेता बी आर अमरेश ने अपने घर पर मटन पार्टी का आयोजन किया था। इस दावत में छोटू मंडल ने रवि कुमार को सिर में गोली मार दी। घायल रवि को मुंगेर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पहले भी कर चुका था हत्या का प्रयास मृतक के परिजनों ने बताया कि छोटू मंडल और रवि कुमार के बीच 2020 से रंजिश चल रही थी। इससे पहले भी छोटू ने रवि को जान से मारने की कोशिश की थी। इसी रंजिश में छोटू मंडल के ससुर कार्तिक चौधरी की भी हत्या हुई थी।परिजनों ने भाजपा नेता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि नेता ने दोनों को एक साथ बुलाकर हत्या की साजिश रची। मृतक के भाई राम लाल पासवान ने बताया कि भाजपा नेता बीएम अमरेश ने एक मंदिर निर्माण को लेकर रवि कुमार को धमकी दी थी घटना के बाद भाजपा नेता फरार पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। घटना के बाद आरोपी छोटू मंडल और भाजपा नेता दोनों फरार हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस घटनास्थल पर साक्ष्य को जुटा रखी है। गांव में तनाव ना हो इसको लेकर पुलिस बल की तैनाती की गई। आपसी रंजिश में हत्या की आशंका है।

जबकि सदर डीएसपी अभिषेक आनंद, मुफस्सिल थानाध्यक्ष बिके सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस घटना स्थल पर पहुंच घटना की जांच में जुटी हुई है। आरोपी सहित भाजपा नेता घर मे ताला मारकर परिजनों साथ फरार हो गए है।

बदमाशों ने छात्रा को चलती ट्रेन से फेंका, मौत

बैग लूटकर भाग रहे चोर का पीछा कर रही थी; बहन बोली-RPF मदद करती तो जिंदा होती

भागलपुर। के सबौर में बदमाशों ने मंगलवार सुबह छात्रा को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। 21 साल की काजल चोर के पीछे भाग रही थी। ट्रेन से गिरने की वजह से छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर ही करीब एक घंटे तक एंबुलेंस के इंतजार में छात्रा ने दम तोड़ दिया।छात्रा के पिता और छोटी बहन ने सबौर रेलवे पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'हमने एक घंटे तक लगातार RPF जवानों से मदद मांगी गई, लेकिन वे मदद के नाम पर सिर्फ इतना कहते रहे कि इंतजार कीजिए, एंबुलेंस आ रही है।'छात्रा की पहचान खगड़िया की रहने वाली 21 साल की काजल के रूप में हुई है। वो ग्रेजुएशन के बाद बैंकिंग की तैयारी कर रही थी।घटना के बाद छात्रा के पिता सुनील ने बताया- 'मैं अपनी 2 बेटियों काजल, जया, बेटे और पत्नी के साथ असम में कामाख्या मंदिर पूजा के लिए गया था। सुबह गया-कामाख्या एक्सप्रेस से लौट रहे थे। हमें खगड़िया के लिए ट्रेन पकड़नी थी और हमारा रिजर्वेशन भागलपुर तक था। भागलपुर स्टेशन से पहले ट्रेन सबौर रेलवे स्टेशन पर रुकी थी।'चोर ने धक्का दिया बेटी प्लेटफार्म पर गिर गई'हम लोग भी उतरने के लिए सामान वगैरह समेटने लगे। बेटी के पास एक बैग था, जिसमें मोबाइल और एटीएम वगैरह था। बैग लेकर एक चोर चलती ट्रेन से नीचे कूद गया। बेटी भी चोर को पकड़ने के लिए उसके पीछे भागी।''चोर का एक साथी था, जो पीछे थे। बेटी और हम लोग उसे देख नहीं पाए, न ही समझ पाए कि वो भी चोर के साथ है। बेटी जैसे ही चोर को पकड़ने गई, पीछे से चोर के साथी ने उसे ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे वो प्लेटफार्म पर गिर गई।'पिता ने बताया, 'बेटी के प्लेटफार्म पर गिरते ही किसी ने चेन खींच दी। जिससे बाद हम लोग नीचे उतरे। देखा तो काजल बुरी तरह से घायल थी। हम लोगों ने तत्काल RPF जवानों से कॉन्टैक्ट किया। उन्होंने हमें एक घंटे तक इंतजार कराया और कहते रहे कि एंबुलेंस आ रही है। RPF जवानों की लापरवाही है। इसी कारण मेरी बेटी की मौत हुई है।' मृतका की बहन ने बताया, 'मेरी बहन की मौत RPF की वजह से हुई है। मैं उनसे हाथ जोड़कर भीख मांगती रही। कहती रही हमारी मदद कीजिए। प्राइवेट अस्पताल ले चलिए, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी। हमने बड़ा वाला गेट खुलवाया। ऑटो अंदर लेकर आए। अगर आज पद्धत्रने हमारी मदद की होती तो मैं अपनी बहन के साथ घर लौटती।'

मल्लिकार्जुन खड़गे को बिहार में कोई नहीं जानता

JDU विधायक गोपाल मंडल बोले- उनके आने से कोई फर्क नहीं पड़ता, राजनीति में निशांत की एंट्री को बताया जरूरी

भागलपुर। के गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से JDU विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि खड़गे को बिहार में कोई नहीं जानता। क्या खड़गे...खड़गे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बिहार में उनका कोई जनाधार नहीं है। कोई नहीं जानता है। उन्होंने आगे कहा कि, राहुल गांधी को लोग इसीलिए जानते हैं क्योंकि वह सोनिया गांधी के बेटे हैं, लेकिन खड़गे को कौन जानता है ? उनकी सभा में तो कुर्सियां खाली ही रहेंगी। उनके आने से कोई फर्क नहीं पड़ता। राजनीति में निशांत की एंट्री को बताया जरूरी वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने को लेकर पूछे गए सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा, उनका राजनीति में आना तय है। अगर वह नहीं आए, तो जदयू का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। पार्टी में ऐसा कोई नेता नहीं है जो नीतीश कुमार की तरह पार्टी को संभाल सके। उन्होंने कहा कि फिल्मों में पहले हीरो का जूता दिखाया जाता है, फिर पायजामा और फिर घड़ी। राजनीति में भी कुछ वैसा ही है। ठीक इसी तरह निशांत को भी एंट्री होगी।विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव द्वारा बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर की जा रही आलोचनाओं पर भी गोपाल मंडल ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बड़बोले हैं, बस बोलते रहते हैं। 2005 से पहले बिहार की क्या हालत थी, लोग भूल गए हैं। उस समय कई IAS अधिकारियों ने आत्महत्या कर ली थी और कुछ ने तो जहर तक खा लिया था। अपराध चरम पर था। आज की स्थिति उस समय की तुलना में बेहतर है। तेजस्वी सिर्फ इसलिए बोले जा रहे हैं क्योंकि वह मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।

संक्षिप्त डायरी

कोर्ट के बाहर खड़ी दो कारों में लगी आग

फरीदाबाद/ भव्य खबर। फरीदाबाद जिला कोर्ट के बाहर मंगलवार को पार्किंग में खड़ी दो कारों में अचानक आग लग गई। यह घटना मंगलवार को दोपहर करीब एक बजे हुई। बताया जा रहा है कि आग पेड़ों के नीचे पड़े सूखे पों से शुरू हुई, जिसमें किसी ने जलती हुई बीड़ी या सिगरेट फेंक दी। इससे पों में आग लग गई और फिर वह आग पास में खड़ी कारों तक पहुंच गई। राहगीरों ने देखा कि एक कार के नीचे से धुआं निकल रहा है। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया। फायर ब्रिगेड की टीम ने समय पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। सेंट्रल थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि कोर्ट के बाहर पार्किंग में खड़ी दो कारों में आग लगने की सूचना मिली थी। एक स्वि ट डिजायर कार के आगे के हिस्से में आग लगी थी और उसके साथ खड़ी वेगनआर कार के पीछे के हिस्से में भी आग फैल गई थी। दोनों गाडियों के कुछ हिस्से जल गए, लेकिन बड़ा नुकसान नहीं हुआ। बताया गया है कि एक कार वकील की थी और दूसरी टै सी ड्राइवर की। घटना के समय कारों में कोई व्यि त मौजूद नहीं था, जिससे किसी की जान को नुकसान नहीं पहुंचा। स्थानीय लोगों ने भी यही बताया कि वहां पेड़ों के नीचे बहुत सारे सूखे पो पड़े थे। किसी ने शायद लापरवाही से जलती हुई बीड़ी या सिगरेट फेंक दी, जिससे पों में आग लग गई और फिर वह कारों तक फैल गई। फिलहाल पुलिस और फायर विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

टेलीग्राम टास्क के नाम पर ठगी के दो आरोपी गिर तार

फरीदाबाद/ भव्य खबर। टेलीग्राम टास्क के नाम पर ठगी करने के मामले में खाता उपलध कराने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिर तार किया है। पुलिस प्रवता ने मंगलवार को बताया कि साइबर थाना सैंट्रल में से टर-31, फरीदाबाद में रहने वाले एक व्यि त ने दी अपनी शिकायत में बताया कि उसके पास व्हाट्सएप पर कॉल आई, जिस पर ठगों ने उसे टेलीग्राम पर टास्क पूरा कर घर बैठे पैसे कमाने के बारे में बताया गया। जिस पर शिकायतकर्ता को टेलिग्राम के जरिये टास्क दिये गये, जिनको पूरा करने के एवेज में 4500 रुपये उसके खाता में भेजे गये। इस तरह वह लालच में आ गया और टास्क के लिए उसने विभिन्न ट्रांजे शन के माध्यम से ठगों के खातों में पांच लाख 23 हजार रुपए में भेज, जिसके बदले ठगों द्वारा काई पैसा नही दिया गया। जिस शिकायत पर साइबर थाना सैंट्रल में मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए हनी सोनी(25) व चेतन जागिंड(25) निवासी जयपुर राजस्थान को जयपुर से गिर तार किया है। पूछताछ मे सामने आया की दोनों आरोपी ठगों को कमीशन पर खाता उपलध करवाते थे। हनी सोनी ने यह खाता कमीशन पर आगे चेतन को दिया था तथा चेतन ने यह खाता आगे किसी और को दिया था। दोनों आरोपी हाल में बेरोजगार है, पुर्व मे जयपुर में एक प्राईवेट कपनी में दोनों आरोपी साथ काम कर चुके है। मामले मे पहले मुकुल तिवारी (खाताधारक) व अक्षय को गिर तार किया जा चुका है।

मरीजों के तीमारदार रूककर कर सकेंगे आराम निजी वार्ड की सुविधा मिलेगी जल्द फायरिंग

फरीदाबाद/ भव्य खबर। फरीदाबाद के नागरिक अस्पताल (बादशाह खान) में विभाग की तरफ से मरीज के अटेंडेंट को राहत देने के लिए रेस्ट हाउस बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके बन जाने से मरीज के परिजनों को रेस्ट करने के लिए अलग से जगह मिल सकेगी। नागरिक अस्पताल में रोजाना 2600 के करीब मरीज इलाज कराने के लिए आते है। अस्पताल में 200 मरीज हमेशा भर्ती रहते है ऐसे में इन मरीजों के अटेंडेंट के रेस्ट करने के लिए अस्पताल में कोई जगह नही है। इसके साथ ही ओपीडी में टेस्ट कराने आने वाले मरीज को कई बार टेस्ट कराने के दौरान सुबह से शाम हो जाती है। कोई जगह ना होने के कारण वह अस्पताल के खाली ग्राउंड में ही आराम करने के लिए बैठ जाते हैं। रेस्ट हाउस के बन जाने से सभी को सुविधा मिलेगी और रात के समय वह इसमें रूक सकेंगे। अतिरि त स्वास्थ्य सचिव के आदेशों के बाद जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल के प्रबंधन ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। रेस्ट हाउस को लेकर जगह का चयन कर लिया गया है। विभाग के द्वारा रेस्ट हाउस में पीने का पानी, पंखे जैसी सुविधाएं भी लोगों को दी जाएगी। यहां पर देखभाल करने के लिए कर्मचारी की भी नियु ि त की जाएगी। नागरिक अस्पताल में अब लोगों को निजी वार्ड का लाभ मिलना जल्द शुरू हो जाएगा। यह वार्ड हाईटेक सुविधाओं से लैस होगा, अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ सतिंद्र वशिष्ठ ने बताया कि अस्पताल में निजी वार्ड की भी व्यवस्था की जा रही है।

रंजिशन दो परिवारों में हुआ पथराव और

फरीदाबाद/ भव्य खबर। डबुआ कॉलोनी स्थित 33 फुट रोड पर सोमवार देर रात दो परिवारों के बीच हुआ विवाद हो गया। दो पुराने दोस्तों के बीच चली आ रही रंजिश इस कदर बढ़ गई कि अब दोनों परिवार एक-दूसरे पर घर में घुसकर हमला करने, महिलाओं से बदसलूकी करने और हवाई फायरिंग जैसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं। मामले की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पहले पक्ष के नीरज कुमार पांडेय का आरोप है कि देर रात राजेश उर्फ करेली का बेटा शरद उर्फ चिल्लू अपने दोस्तों के साथ उनके घर पहुंचा और अचानक ईंट-पत्थर फेंकने लगा। नीरज ने बताया कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से भी हमला किया, जिसमें उनके बड़े भाई पंकज पांडेय घायल हो गए। आरोप है कि महिलाओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। वहीं दूसरी ओर दूसरे पक्ष से मनजीत, जो राजेश उर्फ करेली के बेटे ने बताया कि नीरज पांडेय का बेटा आकाश पांडे अपने दोस्तों के साथ उनके घर आया और दरवाजा पीटने लगा। दरवाजा खोलते ही आरोपियों ने पथराव शुरू कर दिया और जब अंदर से दरवाजा बंद कर लिया गया, तो उसे तोडने.का प्रयास भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश सचिवालय में सोमवार देर सांय खेल विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए

प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए तत्पर: मुख्यमंत्री सैनी

खिलाड़ियों के लिए कैश अवार्ड्स और स्कॉलरशिप प्रबंधन प्रणाली के लिए पोर्टल किया लांच

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिए निर्देश अधिकारी औचक निरीक्षण करें, महिला खिलाड़ियों के लिए स्टेडियम में हो सभी सहूलियत

नईदिल्ली। ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए तत्पर है। प्रदेश के खेल स्टेडियम और खेल नर्सरियों में आने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिले, इसके लिए विभाग विशेष योजना बनाएं। इसके अलावा प्रदेश में विशेष उत्कृष्ट खेलों पर फोकस करते हुए एक्सीलेंस सेंटर भी बनाए जाएं। साथ ही प्रदेश के खिलाड़ियों को यूनिक आईडी अलॉट की जाएं। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश सचिवालय में सोमवार देर सांय खेल विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक के दौरान प्रदेश के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, कानून विधायी राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम भी मौजूद थे।

इस दौरान प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए कैश अवार्ड्स और स्कॉलरशिप प्रबंधन प्रणाली के लिए पोर्टल भी लांच किया गया। जिसके जरिये खेल विभाग से मिलने वाली स्कॉलरशिप तथा कैश अवार्ड्स के लिए आवेदन किया जा सकेगा। इसका फायदा यह होगा कि पारदर्शी तरीके से एक खिलाड़ी को सहुलियत के साथ इनका लाभ मिल पाएगा। नकद पुरस्कार योजना के तहत वर्ष 2014 से अब तक 16305 खिलाड़ियों को विभाग ने 599.43 करोड़ रुपये आबंटित किए है।

बैठक में मौजूद खेल अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अब तक की उपलब्धियों का ब्यौरा पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि खेल विभाग सभी नागरिकों को खेलों में भाग लेने, सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए समान अवसर प्रदान कर रहा है। राज्य में खेल अवसरंचनाओं का जिक्र करते हुए अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में 3 राज्य स्तरीय, 21 जिला स्तरीय, 25 उपमंडल स्तरीय, 163 राजीव गांधी खेल परिसर, 245 मिनी ग्रामीण स्टेडियम है। जिनमें खिलाड़ियों को सहुलियत प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही करीबन 1500 नर्सरियां है, जिनकी संख्या 2025-2026 वित्त वर्ष में बढ़ाकर 2000 करने का टारगेट लेकर चला जा रहा है।

क्रिकेट स्टेडियम की बदलेगी सूरत, पलवल के लिए खास योजना

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के दौरान प्रदेश के क्रिकेट स्टेडियम को लेकर भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पंचकूला के क्रिकेट स्टेडियम के ग्राउंड और सिटिंग एरिया को दुरुस्त करने, हाई मास्क लाइट लगाने तथा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही फरीदाबाद स्थित राजा नाहर सिंह स्टेडियम में भी इस दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए गए है।

वहीं, बैठक में पलवल में भी 100 एकड़ भूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल परिसर के निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई। इसके लिए एक खास परियोजना बनाई गई है, जिसमें क्रिकेट स्टेडियम, बहुउद्देश्यीय हॉल, बैडमिंटन हॉल, बॉक्सिंग हॉल, एथलैट्स मैदान, फिटनैस एवं रहैब सेंटर, होटल एवं रैस्टोरेंट इत्यादि की सुविधा के साथ 35 से 50 हज़ार दर्शकों के बैठने की सुविधा होगी। इस बारे में विकल्प तलाशने बारे भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए है।

जीओ बेस्ड होगी हाजिरी, मुकाबले भी होंगे

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने खेल विभाग के अधिकारियों को कहा कि प्रदेश में चल रही खेल नर्सरियों में इंटर खेल नर्सरी, जिला स्तर पर और राज्यस्तरीय मुकाबले करवाए जाएं। इनमें पहले, दूसरे तथा तीसरे स्थान पर आने वाले बच्चों के ग्रुप बनाएं जाएं, ताकि इनके हुनर का पता लग सके।

बाद में इन बच्चों को उनकी काबिलियत के हिसाब से ना सिर्फ प्रोत्साहित किया जाए, साथ ही उन्हें उस हिसाब से भविष्य के लिए तराशा जाए। बैठक में खिलाड़ियों को दी जाने वाले डाइट मनी बढ़ाने के विषय, कोच की सैलरी बढ़ाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

इसके साथ ही खेल विभाग के उच्च अधिकारियों ने कहा कि विभाग समय समय पर खिलाड़ियों की सहुलियत के लिए योजनाएं बना रहा है। आने वाले दिनों में खेल नर्सरी में खिलाड़ियों की जीओ बेस्ड हाजिरी लगेगी, इसके लिए परियोजना तैयार कर ली गई है।

कोच और जिला खेल अधिकारियों के बीच हो समन्वय

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों की समस्याओं के समाधान के लिए भी कारगार कदम उठाने के निर्देश दिए है। उन्होंने इस पर सुझाव देते हुए कहा कि ऐसी योजना बनाई जाएगी, जिसके तहत कोच और जिला के खेल अधिकारियों के बीच आपस में समन्वय अच्छा हो। कोच को अगर कोई समस्या है, तो वो उस बारे में जिला खेल अधिकारियों को चर्चा करें,और वहां से फीडबैक विभाग के आला अफसरों के पास आएं। ऐसा इसलिए किया जाए, ताकि खिलाड़ियों की समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके।

औचक निरीक्षण करें, महिला खिलाड़ियों के लिए सहूलियत हो

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार तत्पर है। हाल ही के बजट में भी इसे लेकर खास प्रावधान किए गए है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशों से दूर रखने के लिए खेल एक उत्कृष्ट साधन है। ऐसे में प्रदेश सरकार खेलों पर खास फोकस किए हुए है। खिलाड़ियों के लिए बीमा योजना, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाना, स्पोर्ट्स के सभी साधन और कोच इत्यादि की उपलब्धता करना सुनिश्चित किया जाएं।

मुख्यमंत्री ने इस बीच यह भी निर्देश दिए कि महिला खिलाड़ियों के लिए भी खास सुविधाएं स्टेडियम में होनी चाहिए। उनके लिए चेंजिंग रूम के अलावा शौचालय की अलग व्यवस्था हो, यह सुनिश्चित किया जाएं। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय समय पर स्टेडियम, नर्सरियों इत्यादि का औचक निरीक्षण भी किया जाएं।बैठक के दौरान खेल विभाग के प्रमुख सचिव आईपीएस नवदीप सिंह विर्क, महानिदेशक आईएएस संजीव वर्मा, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्री विवेक पदम सिंह भी मौजूद थे।

राज्यों के साथ 40 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लिए बिजली खरीद समझौते पर बातचीत जारी- प्रल्हाद जोशी

गुरुग्राम, 22 अप्रैल। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि राज्यों के साथ 40 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लिए बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर को लेकर बातचीत चल रही है। यह क्षमता जल्दी ही ऑनलाइन आने की उम्मीद है।

जोशी ने यहां राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान में सौर पीवी मॉड्यूल परीक्षण सुविधा के उद्घाटन के मौके पर संवाददाताओं से कहा, हम 2030 तक 500 गीगावाट के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सालाना 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य बना रहे हैं। कुल लक्ष्य में 292 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता शामिल है। देश में 2024-25 में 29.52 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी गयी।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि 2032 तक बिजली की अधिकतम मांग वर्तमान स्तर से दोगुनी हो जाएगी। बिजली की अधिकतम मांग बीते वर्ष मई में 250 गीगावाट के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच

जोशी ने यहां राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान में सौर पीवी मॉड्यूल परीक्षण सुविधा के उद्घाटन के मौके पर संवाददाताओं से कहा हम

गई थी। बिजली मंत्रालय ने इन गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 270 गीगावाट तक जाने का अनुमान लगाया है।जोशी ने कहा कि भारत को उपलब्ध भूमि संसाधनों से सौर ऊर्जा उत्पादन को अधिकतम करने के लिए अनूठे उपाय करने की जरूरत है। मंत्री ने ऊंची इमारतों में उपलब्ध सीमित स्थान से सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए कांच जैसी निर्माण सामग्री का उपयोग करने के लिए अभिनव समाधान का उपयोग करने का भी आह्वान किया।उन्होंने कहा कि 40 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर राज्यों के साथ बातचीत चल रही है। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 12 लाख परिवार ने छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की है।इससे पहले, मंत्री ने कहा कि भारत पहले ही 106 गीगावाट सौर और 51 गीगावाट पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल कर चुका है। उन्होंने देश में सौर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों की आवश्यकता बतायी। वर्तमान में ईवी को पारंपरिक ऊर्जा से चार्ज किया जा रहा है। जोशी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को हरित ऊर्जा से चार्ज किया जाना चाहिए।जोशी ने कहा कि इस प्रयोगशाला के साथ, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) अब व्यापक परीक्षण और प्रमाणन सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है, विशेष रूप से फोटोवोल्टिक मॉड्यूल और प्रौद्योगिकियों के लिए जहां वर्तमान में कोई स्थापित मानक मौजूद नहीं हैं। यह भारत में एक अग्रणी केंद्र है।जोशी ने कहा कि जैसे-जैसे भारतीय कंपनियां बड़े मॉड्यूल का उत्पादन बढ़ा रही हैं, यह संस्थान सुनिश्चित करेगा कि भारतीय उत्पाद उच्चतम मानकों का पालन करें। उन्होंने बताया कि यह संस्थान भारत की पीएलआई योजना और देश की वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा को गति देगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का किसान हितैषी फैसला

नई दिल्ली, 22 अप्रैल हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किसान हित में एक और बड़ा फैसला लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अब तक जिन गांवों में चकबंदी नहीं हुई है, उन गांवों के किसानों की फसल मेरी फसल–मेरा ब्यौरा पोर्टल की बजाय ऑफलाइन माध्यम से खरीदी जाए।

जिन गांवों में चकबंदी नहीं हुई है, उन गांवों में अब मेरी फसल–मेरा ब्यौरा पोर्टल की बजाय ऑफलाइन माध्यम से फसल की खरीदी की जाएगी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

उज्जवला स्कीम और बीपीएल परिवारों का डाटा घर–घर जाकर वेरीफाई किया जाए

बीपीएल परिवारों को एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये में ही मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश आज यहां खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर भी उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। हमारी सरकार लगातार किसानों के हित में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिन गांवों में चकबंदी नहीं हुई है, उन गांवों का मेरी फसल–मेरा ब्यौरा पोर्टल पर डाटा न होने के चलते वहां के किसानों को फसल बेचने में परेशानी हो रही थी। इस पर संज्ञान लेते हुए अब सरकार ने निर्णय लिया है कि पोर्टल की बजाए इन गांवों में ऑफलाइन माध्यम से खरीद करवाई जाएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 17.40 लाख महिलाओं ने पंजीकरण करवाया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उज्जवला स्कीम और बीपीएल परिवारों का डाटा घर-घर जाकर वेरीफाई किया जाए। इसके अलावा उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एलपीजी सिलेंडरों के लिए डिपो पर गैस कंपनियों द्वारा शिविर लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि बीपीएल परिवारों को एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये में ही मिलता रहेगा।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक श्री राजेश जोगपाल तथा गैस कम्पनियों के प्रतिनिधि व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नए प्रोजेक्ट्स से बड़े पैमाने पर निवेश को मिलेगा बढ़ावा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी होंगे सृजित - मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 22 अप्रैल – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए जिला झज्जर में हरियाणा का पहला मेडिकल लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट तथा जिला अंबाला में कैप्टिव सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए मेसर्स वायु प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 37 करोड़ 68 लाख रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज को स्वीकृति प्रदान की है।

आज यहां मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड (एचईपीबी) की 17वीं बैठक के दौरान यह स्वीकृति प्रदान की गई।

इस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी अधिकार प्राप्त समिति (ईईसी) की सिफारिश के आधार पर एचईपीबी द्वारा अनुमोदित किया गया है। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी

मंत्री श्री रणबीर गंगवा और सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी मौजूद रहे।

बैठक में महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र में इस परियोजना की स्थापना से न केवल राज्य में महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित होगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर भी पैदा होंगे, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।इस परियोजना के तहत कुल 125.49 करोड़ रुपये के निवेश में से 72.24 करोड़ रुपये की राशि मेडिकल लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट के लिए जबकि 48.25 करोड़ रुपये कैप्टिव सोलर पावर प्लांट में निवेश किए जाएंगे। यह हरियाणा का पहला मेडिकल लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट होगा, जिससे राज्य में लगभग 100 रोज़गार के अवसर सृजित होंगे।

बोर्ड ने मेसर्स एटीएल बैटरी टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के लिए निवेश समयसीमा को तीन साल से आगे बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की।

यह कंपनी हरियाणा के नूंह जिले के आईएमटी सोहना में लिथियम-आयन सेल/बैटरी के निर्माण के लिए एक मेगा परियोजना स्थापित कर रही है, जिसमें दो चरणों में कुल 7,083 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। परियोजना के तहत प्रथम चरण में 3,595 करोड़ रुपये और दूसरे चरण में 3,488 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे 6,700 से अधिक स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।इसके अतिरिक्त, बोर्ड ने मेसर्स पैनासोनिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मूल रूप से स्वीकृत 25.58 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन के विशेष पैकेज को मेसर्स पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित करने और जारी करने को भी स्वीकृति प्रदान की। इसके तहत झज्जर जिले के बीड-दादरी गांव के टेक्नोपार्क में मेगा प्रोजेक्ट स्थापित किया जाएगा, जहां रेफ्रिजरेटर निर्माण के लिए 114 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इससे 150 से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव श्री डी. सुरेश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

अमृतपाल समर्थकों ने रची शाह समेत कई नेताओं पर हमले की साजिश!

चंडीगढ / भव्य खबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू और शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर हमले की साजिश रचने के आरोप में पंजाब पुलिस ने मोगा से दो लोगों को गिर तार किया है। सोशल मीडिया पर लीक हुई चैट में अमित शाह, बिट्टू, मजीठिया और तलवाड़ा जैसे नेताओं पर हमले की योजना का जिक्र था। ग्रुप विदेशी फंडिंग, हथियारों की खरीद और भड़काऊ सामग्री के प्रचार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी।इस साजिश का खुलासा एक व्हाट्सएप ग्रुप वारिस पंजाब डे टीम की लीक हुई चैट से हुआ है। यह व्हाट्सएप ग्रुप कथित तौर पर अमृतपाल सिंह के समर्थकों द्वारा चलाया जा रहा था, जो इस समय असम के डिब्रूगढ़ जेल में एनएसए के तहत बंद हैं। पुलिस ने इस मामले में लखदीप सिंह सरदारगढ़ (बठिंडा), बलकार सिंह (खन्ना) और पवनीदीप सिंह (मोगा) को मु य साजिशकताओं के रूप में चिन्हित किया है। वहीं, बलकार सिंह और पवनदीप सिंह को गिर तार किया जा चुका है। मोगा के साइबर क्राइम थाने मे रिपोर्ट दर्ज की गई है।बिक्रम मजीठिया ने अमृतपाल के कथित ऑडियो िलप्स जारी किए हैं, जिसमें वो गैंगस्टरों से रिश्तों, लूट के माल और राजनैतिक साठगांठ की बात कर रहा है। मजीठिया ने एनआईए जांच की मांग की है और मु यमंत्री भगवंत मान पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया है। उधर, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सुरक्षा एजेंसियों ने लीक चैट को गंभीरता से लेते हुए सभी लक्षित नेताओं की सुरक्षा बढ़ा दी है।

गूगल से मिलता-जुलता नकली ईमेल बना दिया साइबर ठगों ने

नई दिल्ली / भव्य खबर। साइबर अपराधियों ने गूगल से मिलता-जुलता नकली ईमेल बना दिया। साइबर ठगों ने एक युवक को मेल भेजकर उससे गूगल अकाउंट की जानकारी मांगी। युवक ने जब मेल में आए लिंक पर िलक किया तो वह ऐसे सपोर्ट पोर्टल पर चला गया, जो गूगल से होस्ट किया गया लगता था, लेकिन वह भी एक चाल थी। ऐसा करके साइबर अपराधी युवक के गूगल अकाउंट का पासवर्ड और यूजरनेम चुराना चाहते थे। गूगल की जानकारी में यह मामला आया है और अब आगे की कार्रवाई की जा रही है। नीक डॉट ईटीएच नाम के यूजर ने अपने साथ हुए वाकये को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ए स पर शेयर किया है। बताया है कि वह एक फिशिंग अटैक का शिकार हो गया। निक का कहना है कि उसने गूगल को इस मामले पर लिखा था। एक बग रिपोर्ट सबमिट की, लेकिन गूगल ने उसे सि योरिटी बग नहीं माना है। निक का कहना है कि ऐसी स्थिति में लोगों को अलर्ट रहना चाहिए, योंकि उन्हें गूगल से मिलतीजुलती आईडी से ईमेल आ सकता है और वह फिशिंग अटैक हो सकता है। निक नाम के यूजर का कहना है कि उसे 15 अप्रैल को एक ईमेल मिला। ऐसा ही ईमेल अड्रेस गूगल का भी है। उस ईमेल में निक से उनके गूगल अकाउंट की जानकारी मांगी गई थी और एक लिंक था। जब निक ने लिंक पर िलक किया तो वह एक अन्य सपोर्ट पेज साइटस गूगल डॉट कॉम पर होस्ट कर दिए गए। निक का कहना है कि वह पेज गूगल की असली वेबसाइट जैसा ही लग रहा था। लेकिन असली नहीं था। वह एक धोखा था। उसका मकसद यूजर की डिटेल जैसे यूजरनेम और पासवर्ड चुराना था। बता दें कि लोगों की मेहनत गाढी कमाई हजम करने के लिए साइबर अपराधी लोगों को निशाना बनाने के लिए हरेक तरकीब आजमा रहे हैं।

राजौरी में मिला विस्फोटक मोर्टार शेल, सुरक्षा बलों ने किया नष्ट, जांच शुरू

राजौरी / भव्य खबर। सुरक्षा बलों ने सोमवार को जमूकश्मीर में राजौरी जिले के थानामंडी क्षेत्र के मन्याल गांव में एक उच्च विस्फोटक मोर्टार शेल को नष्ट कर दिया। पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है कि मोर्टार शेल गांव तक कैसे पहुंचा। सुरक्षा बल जमूकश्मीर के सभी संवेदनशील जगहों पर सतर्कता बरत रहा है जिसका नतीजा है कि विस्फोटक बरामद किया गया। जमू-कश्मीर में हाल कि आतंकी घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा बल चौकस है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक राजौरी के एक गांव से यह विस्फोटक बरामद किया है। अभी तक ये पता नहीं चला है कि इसे किस उद्देश्य से छिपाकर रखा गया था और इसके पीछे किसका हाथ था। बता दें कि इसी महीने में जमू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों ने तीन आर्तकियों को मार गिराया था। इससे पहले 20 अप्रैल को जमूकश्मीर पुलिस ने जमू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चैकिंग के दौरान तीन कथित नार्को तस्करों को गिर तार किया था और 22 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ जत किया था। पुलिस के मुताबिक संदिग्ध लोग जमू से उधमपुर जा रहे एक वाहन में यात्रा कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया, जिसके बाद वाहस से संदिग्ध मादक पदार्थ बरामद किया गया था। पुलिस स्टेशन रहमबल में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक ससटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि तस्करी के प्रयास के पीछे बड़े नेटवर्क का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने किया बीजेपी की मांग का समर्थन बोले-बंगाल में हिंदू डरे हुए हैं... बेगूसराय (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल बीजेपी द्वारा हिंदू मतदाताओं के लिए अलग मतदान केंद्र बनाए जाने की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दू डरे हुए हैं, हिंदुओं को वोट तक नहीं डालने दिया जात है। गिरिराज ने कहा कि पश्चिम बंगाल बीजेपी ने जो मांग की है, वह बताती है कि पश्चिम बंगाल के ममता बनर्जी के नेतृत्व में हिंदू वोटरों को धमकाया जाता है और उन्हें वोट भी डालने नहीं देते हैं। वहां के हिंदू मतदाता सीएम ममता बनर्जी के व्यवहार से डरे हुए हैं। चुनाव आयोग ने अगर ए शन नहीं लिया तो वहां के हिंदू वोटरों को बड़ी कठिनाई होगी। इससे पहले बीजेपी नेता सुवेन्दु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी। सुवेन्दु ने कहा कि बंगाल में हिन्दूओं को सताया जा रहा है, उनके पास रहने के लिए घर नहीं है। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन के अंदर चुनाव कराना चाहिए। बिना राष्ट्रपति शासन के बंगाल में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव नहीं हो सकता है। जहां हिन्दू 50 फीसदी से

नास्तिक हो रहा है दक्षिण कोरिया, अब तक 50 प्रतिशत बौद्धों ने धर्म छोड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में धर्म के प्रति लोगों का मोहभंग हो रहा है। वे नास्तिक बन रहे हैं और धर्म से कोई रिश्ता रखना नहीं चाहते हैं। इस तरह नास्तिक बनने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।प्यू रिसर्च सर्वे के अनुसार बौद्ध बहुल देश दक्षिण कोरिया में तो धर्म के प्रति आस्था लगातार कम हो रही है। सर्वे में जानकारी आई है कि साउथ कोरिया में करीब 50 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो वयस्क होने पर अपने उस धर्म से ही नाता तोड़ लेते हैं, जिसमें उनका जन्म हुआ होता है। इस मामले में हिंदू और मुसलमानों की स्थिति बेहतर है और उनका प्रतिशत बेहद कम है। प्यू रिसर्च के अनुसार भारत, बांग्लादेश में हिंदुओं का धर्मांतरण ना के समान है। यह सर्वे 36 देशों के 80,000 लोगों पर किया गया है।

दिलचस्प बात यह भी है कि यदि हिंदू धर्म छोड़ने वाले लोगों की संख्या कम है तो उसमें जुड़े वाले लोग भी कम हैं। सर्वे में भारत, श्रीलंका, अमेरिका और बांग्लादेश के हिंदुओं की जानकारी जुटाई गई है। इसमें सामने आया है कि भारत के 99 फीसदी हिंदू अपने जन्मजात धर्म पर कायम हैं। ऐसी ही स्थिति बांग्लादेश की है। श्रीलंका में 11 फीसदी हिंदू अपने जन्मजात धर्म को छोड़ रहा है तो वहीं अमेरिका में यह आंकड़ा सबसे बड़ा यानी 18 फीसदी है। अपने धर्म को छोड़ने वाले लोगों की बात की जाए तो उनमें सबसे ज्यादा लोग पढ़े-लिखे युवा हैं। यही नहीं लैंगिक आधार पर देखा जाए तो बड़ी संख्या पुरुषों की है। महिलाएं अमूमन अपने जन्मजात धर्म पर कायम रहती हैं।

हिंदू धर्म से नाता तोड़ने वाले लोगों की संख्या अमेरिका में सबसे ज्यादा है। भारत या अन्य देशों से अमेरिका में जाकर बसे हिंदुओं का सर्वे किया गया तो पता चला कि 18 फीसदी लोगों ने अपना धर्म बदल लिया है, जिसमें वे जन्मे थे। इनमें से ज्यादातर लोग अब खुद को नास्तिक कहलाना पसंद करते हैं या फिर ईसाई धर्म को अपना लिया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर श्रीलंका है। यहां के 11 फीसदी हिंदू ऐसे हैं, जिन्होंने अपने धर्म को छोड़ दिया है। ये लोग ईसाई बन गए हैं। लेकिन भारत और दुनिया भर के अन्य देशों का सर्वे करें तो हिंदुओं का आंकड़ा ईसाई और बौद्ध धर्म के लोगों के मुकाबले काफी कम है, जिन्होंने अपना धर्म छोड़ा हो। हिंदू और मुसलमानों की बड़ी आबादी ऐसी है, जो अपने जन्मजात धर्म पर कायम है।

अपने जन्मजात धर्म को छोड़ने वालों में सबसे बड़ी संख्या ईसाई और बौद्ध लोगों की है। स्पेन, स्वीडन, नीदरलैंड, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और इटली जैसे देशों में ईसाई समुदाय के लोग तेजी से अपना धर्म छोड़ रहे हैं। यही नहीं इस धर्म में शामिल होने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है। आंकड़ा बताता है कि स्पेन में 36 फीसदी ईसाई युवा होने पर अपने जन्मजात धर्म को छोड़ देते हैं। अमेरिका में यह आंकड़ा 22 फीसदी, ब्रिटेन,

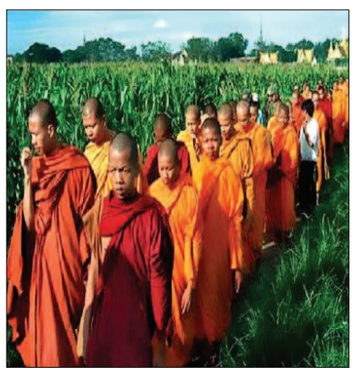

फ्रांस में 28 और जर्मनी, नीदरलैंड एवं स्वीडन जैसे देशों में 30 फीसदी है। कनाडा में भी 29 फीसदी ईसाई अपने धर्म से नाता तोड़ लेते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग नास्तिक कहलाना पसंद करते हैं। अब बौद्धों की बात करें तो साउथ कोरिया, जापान जैसे देशों में धर्म के प्रति आस्था और रुचि लगातार घट रही है।

इस जन्म में बीजेपी बंगाल में ममता बनर्जी को नहीं हरा सकती : पप्पू यादव

पटना । पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बड़ा दावा कर कहा है कि इस जन्म में बीजेपी बंगाल में ममता बनर्जी को नहीं हार सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा ममता बनर्जी को चुनौती नहीं दे सकती। सांसद यादव ने कहा कि भाजपा भारत में कभी भी अपने दम पर चुनाव नहीं जीत सकती। वे किसी के कंधे पर बंदूक रखकर ही जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा सरकार नहीं बनाएगी, वहां राष्ट्रपति शासन के तहत शासन करना चाहती है। बता दें कि बंगाल में सियासत जबरदस्त तरीके से तेज है। मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर भाजपा ममता बनर्जी की सरकार पर हमलावर है। ममता पर भाजपा तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगा रही है। वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राज्य के मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर तीखा हमलाकर उन पर धर्मनिरपेक्षता की आड़ में तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। सीएम धामी ने कहा कि बंगाल में जिस तरह के मुद्दे हो रहे हैं, उससे पूरा देश आंदोलित है। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर ममता बनर्जी जिस तरह की तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं, वह हमें 1947-48 की याद दिलाती है।

यह सच है कि हमारी संस्थाओं के साथ समझौता किया जा रहा

-महबूबा ने राहुल गांधी की चुनाव आयोग पर टिप्पणी का किया समर्थन

जम्मू (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं के कथित क्षरण पर चिंता जताई और भारत के चुनाव आयोग के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी का समर्थन किया। महबूबा ने जम्मू-कश्मीर के एक प्रोफेसर पर हमला करने के आरोपी सेना के जवान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने का भी स्वागत किया। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह सच है कि हमारी संस्थाओं के साथ समझौता किया जा रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र चुनाव को लेकर जो आरोप लगाए हैं उसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को भी नहीं बख्शा जा रहा है। उन्होंने राज्यपालों और वक्फ से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के खिलाफ बीजेपी की हालिया प्रतिक्रिया का हवाला भी दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों और वक्फ के बारे में फैसला दिया और पूरी बीजेपी ने इस पर हमला किया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट जैसी संस्थाओं को भी कमजोर किया जा रहा है। चुनाव आयोग में केवल कुछ ही लोग हैं। वे क्या करते हैं या नहीं करते हैं, यह चिंताजनक है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे जैसे नेता और यहां तक कि उपराष्ट्रपति भी खुलेआम सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करते हैं, तो इससे पता चलता है कि सरकार संस्थानों को अपने नियंत्रण में लाने के लिए उन्हें कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा उनकी चिंताएं जायज हैं। अमेरिका के बोस्टन में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा है कि भारत का चुनाव आयोग समझौतावादी है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदान के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वे पहले भी इस मुद्दे को उठाते रहे हैं और व्यवस्था में गड़बड़ है। राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की और उन्हें देशद्रोही बताया है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अब बेटे जीशान को मिली धमकी, मांगे 10 करोड़

ईमेल भेजने वाले ने खुद को बताया डी कंपनी का सदस्य, पुलिस कर रही जांच

मुंबई (एजेंसी)। पिछले साल मुंबई में दबंग एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी और उनकी मौत ने सभी को चौंका दिया था। यह घटना ऐसे समय में हुई थी जब सलमान खान को जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं और बॉलीवुड भाईजान के घर के बाहर गोलियां चलाई गई थीं। कुछ दिन पहले ही सलमान को एक और धमकी मिली थी और यह धमकी मुंबई ट्रैफिक पुलिस के फोन पर आए एक व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दी गई थी।

इस बीच अब बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने खुलासा किया है कि उन्हें ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है, जिसमें 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है। महाराष्ट्र के पूर्व विधायक और एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने दावा किया कि उन्हें जो ई-मेल मिला है उसमें कहा गया है कि अगर उन्होंने डी-कंपनी का सदस्य होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को 10 करोड़ रुपए नहीं दिए तो उनके पिता बाबा सिद्दीकी की तरह उनकी भी हत्या कर दी जाएगी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और जीशान सिद्दीकी का बयान दर्ज किया जाएगा। जीशान ने कहा है पिछले तीन दिनों से उन्हें लगातार ई-मेल मिल रहे हैं, जिसमें लिखा है कि अगर आप 10 करोड़ रुपए नहीं देंगे तो बाबा सिद्दीकी की तरह उनकी भी हत्या कर दी जाएगी। ई-मेल भेजने वाले ने डी-कंपनी का सदस्य होने का दावा किया है और पुलिस से संपर्क न करने की चेतावनी दी है।

एनसीपी नेता जीशान ने कहा कि धमकी भरे संदेश उनके निजी ई-मेल अकाउंट पर भेजे गए थे। उन्होंने बताया कि ई-मेल भेजने वाले ने दावा किया है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ नहीं है, बल्कि डी-कंपनी है। डी-कंपनी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के

मुंबई में संगठित अपराध सिंडिकेट को दिया गया एक नाम है। जीशान ने कहा कि बार-बार मिल रहे ई-मेल से तंग आकर वह बांद्रा पुलिस से संपर्क किया।

'न संसद, न कार्यपालिका, संविधान सर्वोच्च है', उपराष्ट्रपति धनखड़ के बयान पर कपिल सिब्बल का पलटवार

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक बार फिर से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि न तो संसद और न ही कार्यपालिका बल्कि संविधान सर्वोच्च है। सिब्बल ने यह भी दावा किया कि अदालत ने जो कुछ भी कहा वह देश के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप था और राष्ट्रीय हित से प्रेरित था। सिब्बल की टिप्पणी एक्स पर पोस्ट के तुरंत बाद आई जब धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक प्राधिकरण द्वारा बोला गया हर शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से निर्देशित होता है। हाल ही में शीर्ष अदालत की एक पीठ ने भारत के राष्ट्रपति को राज्यपालों द्वारा उनकी मंजूरी के लिए आरक्षित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने की समयसीमा निर्धारित की है। निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका 'सुपर संसद' की भूमिका नहीं निभा सकती और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में नहीं आ सकती। कपिल सिब्बल ने एक्स पर लिखा कि न संसद, न कार्यपालिका सर्वोच्च है। संविधान सर्वोच्च है। संविधान के प्रावधानों की व्याख्या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है! दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने कहा कि संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया हर शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च, उदात्त हित से निर्देशित होता है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में हर किसी की भूमिका के बारे में गलत समझ से कोई भी दूर नहीं हो सकता है – चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक।'

महाराष्ट्र की राजनीति में बन रहे नए सीमकरण, अजित और शरद पवार के बीच बढ़ रहीं नजदीकियां

मुंबई (एजेंसी)। मात्र 15 दिनों में चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच तीन बार मुलाकात हुई है। ये मुलाकात भले ही चाचा भतीजे के बीच हुई हो लेकिन सियासी गलियों में नए समीकरणों पर चर्चा होने लगी है। दोनों नेताओं ने मंच साझा किया है। दोनों नेताओं के बीच पहले जैसी तल्खी भी नहीं दिखी। इससे महाराष्ट्र की राजनीति में कयास फिर से तेज हैं कि दोनों नेता साथ आ सकते हैं। ये चर्चाएं ऐसे दौर में शुरू हुई हैं, जब शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे और मनसे लीडर राज ठाकरे के भी एकजुट होने के कयास लग रहे हैं।

ऐसे में यदि पवार परिवार में पावर की जंग कम हुई और एकता स्थापित होती है तो फिर यह बड़ा उलटफेर होगा। इस उलटफेर को यूं भी बल मिला है क्योंकि सुप्रिया सुले का कहना है कि भले ही हमने राजनीतिक रूप से अलग राहें अपना ली हैं, लेकिन परिवार के तौर पर हमारे रिश्ते कभी खराब नहीं रहे। सुप्रिया सुले के इस अच्छे रिश्तों वाले बयान से भी एकता की अटकलें लग रही हैं।

हालांकि इन कयासों के बीच राजनीतिक तंज भी शुरू हो चुके हैं। उद्धव सेना के लीडर संजय राउत ने तो साफ कहा कि ऐसा लगता है कि वे साथ आ गए हैं। संजय राउत ने कहा, दोनों पवार पहले ही साथ आ चुके हैं। क्या आपने कभी हमें एकनाथ शिंदे के साथ मंच पर देखा है? हम उनसे नहीं मिलते और न मिलेंगे।

यही नहीं पवार फैमिली पर तंज कसते हुए राउत ने कहा कि हमारे शुगर और एजुकेशन से जुड़े संस्थान नहीं हैं। हमारे पास वसंत दादा शुगर इंस्टिट्यूट नहीं है। बता दें कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने भी अलग-अलग बयानों में साथ आने के संकेत दिए थे। दोनों का कहना था कि उनके लिए महाराष्ट्र और मराठी का हित पहले है। उद्धव ठाकरे का कहना था कि हम महाराष्ट्र के हित में साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

यही नहीं इस बीच उद्धव सेना के एक नेता का कहना है कि यदि शरद पवार और अजित पवार साथ भी आ जाएं तो कोई हैरानी की बात नहीं होगी। यही नहीं उद्धव सेना के लीडर ने कहा कि चाचा और भतीजे तो पहले ही साथ आ चुके हैं। शिवसेना के मंत्री संजय शिरसाट का कहना है कि यदि कुछ दिनों में शरद पवार और अजित पवार हाथ मिला लें तो फिर कोई हैरानी की बात नहीं होगी। सोमवार को शरद पवार और अजित पवार जब साथ आए तो तेजी से कयास लगने लगे। दोनों नेता ऐग्रिकल्चर और शुगर इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल को लेकर आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। पुणे में आयोजित इस आयोजन को लेकर जब बात हुई तो अजित पवार ने ज्यादा चर्चा नहीं की। इतना ही कहा कि परिवार हमेशा साथ रहता है और हमारी मुलाकातों पर कयास नहीं लगाने चाहिए।

बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित रामबन पहुंचे सीएम उमर अब्दुल्ला

-केंद्र से पूरा सहयोग मिल रहा, जल्द सड़क मार्ग शुरु किया जाएगा

जम्मू (एजेंसी)। बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित हुए जम्मू-कश्मीर के रामबन में राहत कार्य जोरों पर जारी हैं। केंद्र यहां राहत कार्यों में समन्वय बनाये हुए है और खुद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि सबसे प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद प्रशासन अपना सर्वश्रेष्ठ काम कर रहा है। डीसी बसीर चौधरी व्यक्तिगत रूप से प्रभावित क्षेत्र में जमा हुए हैं। बिजली आपूर्ति बहाल की जा रही है। उन्होंने कहा है कि कई जलापूर्ति योजनाएं चालू कर दी गई हैं और शेष योजनाओं पर बहाली का काम जारी है।

वहीं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को रामबन शहर में बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान का निरीक्षण करने के बाद कहा कि काम में जितनी तेजी लाई जा सकती है उतनी तेजी लाई जा रही है। हमारी पहली प्राथमिकता थी कि लोगों की कीमती जान ना जाए। हमारी सरकार ने लोगों को मौके से निकाला और उन्हें दूसरी जगहों पर बसाया... हमारी दूसरी प्राथमिकता सड़क को जोड़ना है, क्योंकि सड़कों के बिना राहत सामग्री लाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि अफसरों ने हमें यकीन दिलाया है कि अगले 24 घंटे में यह हाईवे सिंगल ट्रैक पर खोल दिया जाएगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि केंद्र सरकार की ओर से हमें जो मदद मिलनी चाहिए वह मिलेगी... हमारा पूरा प्रयास है कि अगले 24 घंटे के भीतर हाईवे खोला जाए। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी और खासकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को मौके पर लाया जाए। बता दें कि उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि रामबन जिले में भारी बारिश और बादल फटने से अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही को 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने प्रभावित परिवारों को पर्याप्त राहत देने का आश्वासन दिया है।

जारी आंकड़ों ने चौंकाया, दिल्ली में इस साल 80 फीसदी बढ़े अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 2025 के शुरुआती तीन महीनों में मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों में दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। वहीं, आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में 80 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी दिल्ली पुलिस के आंकड़ों से मिली है। आंकड़ों के मुताबिक एक जनवरी से 31 मार्च 2025 के बीच दिल्ली में आबकारी अधिनियम के तहत कुल 2,496 मामले दर्ज किए गए, जबकि इसी अवधि में 2024 में कुल 1,382 मामले दर्ज किए गए थे।

इसी प्रकार एनडीपीएस एक्ट के उल्लंघन के मामले 257 से बढ़कर 544 हो गए। दिल्ली में रोजाना औसतन छह मामले सामने आए। आंकड़ों के मुताबिक शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामले भी बढ़े हैं, जो पिछले साल के 957 से बढ़कर इस साल 1,049 हो गए हैं, जबकि जुआ के मामले 2024 के 677 से बढ़कर 1,018 हो गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया अपराध में यह बढ़ोतरी प्रवर्तन कार्रवाई में बढ़ोतरी के कारण हुई है।

आंकड़ों के मुताबिक शस्त्र अधिनियम और जुआ अधिनियम सहित अलग-अलग कानूनों के तहत दर्ज अपराधों में भी बढ़ोतरी हुई है। 2025 के शुरुआती तीन महीनों में 6,836 मामले दर्ज किए गए हैं, जो 2024 में इस अवधि में 4,143 मामलों और 2023 में दर्ज 4,080 मामलों से काफी अधिक हैं। अधिकारी ने कहा कि आबकारी और एनडीपीएस मामलों में वृद्धि पुलिस के सक्रिय प्रयासों और अवैध शराब एवं मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ अभियानों की सफलता को दर्शाती है।

पुलिस इसके लिए शहर में निगरानी उपकरणों और मुखबिरों के नेटवर्क का भी इस्तेमाल कर रही है। आंकड़ों के मुताबिक दर्ज अपराधों के कुल मामलों में मामूली गिरावट देखी गई है। यह पिछले साल के शुरुआती तीन महीने में दर्ज 24,226 मामलों से बढ़कर इस साल इस अवधि में 27,066 हो गए हैं। हालांकि घरों में चोरी की घटनाएं 3,644 से घटकर 3,578 हो गईं। मोटर वाहन चोरी की घटनाएं भी काफी हद तक अपरिवर्तित रहीं, 2025 में 9,070 मामले दर्ज किए गए हैं।

राज शांडिल्य की कॉमेडी फिल्म में दिखेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा?

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर खूब चर्चा में हैं। वह इस समय जाह्नवी कपूर के साथ अपनी रोमांटिक फिल्म परम सुंदरी की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो जुलाई 2025 में रिलीज होने वाली है। हालांकि, इसी बीच एक नई खबर ने फैंस का ध्यान खींच लिया है। सिद्धार्थ अब एक कॉमेडी से भरपूर फिल्म में नजर आने वाले हैं।

कब शुरू होगी फिल्म?

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने मशहूर प्रोड्यूसर महावीर जैन के साथ एक नई कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 से शुरू होगी। इस फिल्म को राज शांडिल्य निर्देशित करेंगे, जो अपनी हंसी से भरी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एक सूत्र ने इस बारे में कहा, यह एक बड़े बजट की कॉमेडी फिल्म है, जिसमें भरपूर मनोरंजन होगा। सिद्धार्थ, महावीर जैन और राज शांडिल्य की पूरी टीम इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित है। यह फिल्म 2025 की दूसरी छमाही में शुरू होगी। इसकी कहानी और किरदार इतने खास हैं कि यह एक अनोखी फ्रेंचाइजी बन सकती है।

प्रोड्यूसर महावीर जैन इस साल दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक उनके पास दो मजेदार फिल्में हैं। पहली यह अनाम कॉमेडी फिल्म है और दूसरी एक क्रिएचर कॉमेडी, जिसमें कुछ अलग अंदाज देखने को मिलेगा। दोनों फिल्मों की स्क्रिप्ट्स बेहद अनोखी हैं और बड़े पैमाने पर मनोरंजन के लिए बनाई जा रही हैं।

थ्रिलर फिल्म में भी दिखेंगे सिद्धार्थ

सिद्धार्थ के पास सिर्फ कॉमेडी फिल्म ही नहीं, बल्कि एक रोमांचक फोक थ्रिलर भी है। उनकी फिल्म वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट भी 2025 में रिलीज होगी। कुछ समय पहले सिद्धार्थ ने ही इस फिल्म का एलान अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से किया था।

'नो एंट्री' के सीक्वल में हुई अदिति राव हैदरी की एंट्री, वरुण धवन-दिलजीत भी आएंगे नजर

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शुमार 'नो एंट्री' का अब अगला भाग बनने की तैयारी में है। पिछले काफी वक्त से फैंस 'नो एंट्री' के सीक्वल का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब अंतत- ये होने जा रहा है। फिल्म को लेकर अब लगातार नई-नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से एक और खबर सामने आ रही है कि 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड की इस खूबसूरत हसीना की भी एंट्री हो गई है।

कॉमेडी में तमन्ना की वापसी

'नो एंट्री 2' में अब इंडस्ट्री के बड़े सितारों की एंट्री हो रही है। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की भी एंट्री हो गई है। तमन्ना फिल्म में प्रमुख किरदार में नजर आ सकती हैं। इन रिपोर्ट्स की मानें तो यह तमन्ना की कॉमेडी में वापसी का प्रतीक है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसी चर्चाएं भी हैं कि फिल्म में तमन्ना के अलावा अदिति राव हैदरी भी एक और फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन तमन्ना और अदिति को लेकर मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पूरी नई कास्ट की होगी एंट्री

'नो एंट्री 2' की स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में होंगे। इस तिकड़ी को एक प्रॉपर कॉमेडी फिल्म में एकसाथ देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, लोगों को उम्मीद थी कि 'नो एंट्री 2' में साल 2005 में आई 'नो एंट्री' की ही असली कास्ट वापस आएगी। जिसमें सलमान खान, फरदीन खान और अनिल कपूर प्रमुख भूमिकाओं में थे। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि फिल्म में नई कास्ट ही नजर आएगी।

बेहतरीन अभिनेता हैं रणबीर कपूर

अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच इमरान हाशमी ने बॉलीवुड में उभरती प्रतिभाओं के बारे में खुलकर बात की और रणबीर कपूर को उनकी जनरेशन का बेस्ट स्टार बताया। उन्हें मौजूदा पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक बताते हुए हाशमी ने 'एनिमल' में रणबीर के अभिनय की तारीफ की। रणबीर की अभिनय क्षमता की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा, मैं सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा- यह शोर से भरा एक इको चैंबर है। इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। लेकिन रणबीर कपूर एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी मैं वाकई प्रशंसा करता हूं। मुझे एनिमल में उनका अभिनय पसंद आया। कई युवा अभिनेता बेहतरीन काम कर रहे हैं और स्क्रीन पर नए नजरिए को ला रहे हैं।

संदीप रेड्डी वांगा की एक्शन-थ्रिलर में रणबीर ने रणविजय सिंह की भूमिका निभाई, जो अपने पिता की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा रहता है। जब उसके पिता की हत्या का प्रयास किया जाता है तो दुश्मनों से लड़ने के लिए वह आगे आता है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ अभिनेता बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इमरान के लेटेस्ट प्रोजेक्ट ग्राउंड जीरो की बात करें तो, फिल्म में वह बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जिन्होंने गाजी बाबा को मारने के लिए ऑपरेशन को लीड किया था। इस मिशन को पिछले 50 वर्षों में बीएसएफ के बेस्ट ऑपरेशन के रूप में जाना जाता है।

फिल्म ग्राउंड जीरो में दुबे की भूमिका को लेकर इमरान हाशमी ने बताया, जब कोई अभिनेता इस तरह की भूमिका निभाता है, तो हमेशा एक शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक पहलू शामिल होता है। शारीरिक रूप से मुझे एक अनुशासित बॉडी लैंग्वेज अपनानी पड़ी। जब आप एक कमांडिंग ऑफिसर की भूमिका निभा रहे होते हैं, तो व्यवहार महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, मुझे अपने शरीर पर भी काम करना पड़ा- वेट ट्रेनिंग, आहार में बदलाव, कैलोरी में वृद्धि- उनकी जनरेशन के बेस्ट स्टार भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से, मैंने बीएसएफ अधिकारियों से बात की और उनके हाव भाव को समझने की कोशिश की, ताकि मैं ऑपरेशन के दौरान उनकी मानसिक स्थिति, उनके परिवार की स्थिति और इस तरह के हाई रिस्क वाले पेशे से होने वाले भावनात्मक तनाव को समझ सकूं। तेजस देओस्कर के निर्देशन में बनी ग्राउंड जीरो इसी साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह समझना जरूरी है कि यह सोशल मीडिया की दुनिया वास्तविक नहीं है

अभिनेत्री पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रेट्रो' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब फिल्म को लेकर प्रमोशन भी शुरू हो गया है।इसी कड़ी में फिल्म की अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया के अपने फॉलोअर्स और बॉक्स ऑफिस के टिकट को लेकर एक मजेदार टिप्पणी की है।

सोशल मीडिया के फॉलोअर्स और अपने प्रशंसकों को लेकर पूजा हेगड़े ने फिल्म प्रमोशन के दौरान बातचीत में कहा, सोशल मीडिया और वास्तविक दुनिया दो अलग-अलग चीजें हैं। जब मैं हैदराबाद या तिरुमाला जाती हूं, तो लोगों से मिलती हूं और यह मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे बॉट होते हैं, जिनके पास न तो डिस्प्ले पिक्चर होती है और न ही उनके अकाउंट में कोई पोस्ट होती है। मैं भी उन फेसलेस ट्रोल्स से प्रभावित होती हूं, क्योंकि मैं भी एक इंसान हूं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह वास्तविक दुनिया नहीं है। अभिनेत्री ने आगे अपने फॉलोअर्स और बॉक्स ऑफिस के टिकट बिकने पर कहा, मेरे लगभग 30 मिलियन इंस्टा फॉलोअर्स हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बॉक्स ऑफिस पर 30 मिलियन टिकट बिकेंगे।

इसी तरह, कई सुपरस्टार्स के सिर्फ 5 मिलियन इंस्टा फॉलोअर्स हैं, लेकिन वे बहुत ज्यादा भीड़ खींचते हैं। अपना काम ठीक से करना और लोगों से सीधे फीडबैक लेना महत्वपूर्ण है। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित 'रेट्रो' 1 मई को रिलीज होनी है। फिल्म में पूजा हेगड़े के साथ सूर्या प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। रेट्रो एक्शन से भरपूर एक लव स्टोरी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है।

केसरी 2 में अक्षय माधवन के अभिनय की कायल हुईं कैटरीना

अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म केसरी 2 बीते शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म को लेकर बॉलीवुड के कई सितारे अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने फिल्म की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है। इंस्टाग्राम स्टोरी में अभिनेत्री ने केसरी 2 फिल्म का पोस्टर लगाया है और उसमें कैप्शन में लिखा कि एक अनकही कहानी को शानदार तरीके से बताया गया है। आगे कैटरीना ने फिल्म के निर्देशक करण सिंह त्यागी और निर्माताओं को टैग करते हुए उनपर गर्व महसूस किया है। इसके अलावा अभिनेत्री ने अक्षय कुमार और आर माधवन को टैग करते हुए उनके अभिनय को शानदार बताया।

कॉमेडी फिल्में करने वाले रितेश विलेन बनकर भी छा गए, गंभीर किरदारों में किया उम्दा अभिनय

रितेश देशमुख ने बॉलीवुड में ज्यादातर कॉमेडी फिल्में ही की हैं, इस वजह से उनकी इमेज एक कॉमिक एक्टर की बन चुकी है। रितेश ने पिछले कुछ सालों में ऐसी फिल्में भी की हैं, जिनमें वह विलेन का किरदार निभाते भी नजर आए, साथ ही कुछ फिल्मों, सीरीज में गंभीर किरदारों में दिखे। जानिए, कौन सी हैं, वो फिल्में और सीरीज।

रेड 2

जल्द ही अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन ने एक इनकम टैक्स ऑफिसर का रोल किया है। फिल्म में वह एक राजनेता के घर पर छापा मारते हैं, इस नेता का किरदार रितेश देशमुख निभा रहे हैं। फिल्म का विलेन रितेश का किरदार ही है। अब तक फिल्म 'रेड 2' की जो झलक मिली है, उसमें विलेन के तौर पर रितेश काफी प्रभावित करते दिख रहे हैं। रितेश का लुक, डायलॉग काफी दमदार लग रहे हैं। इस फिल्म को राजकुमार गुप्ता ने निर्देशित किया है।

एक विलेन

फिल्म 'एक विलेन(2014)' में लीड रोल सिद्धार्थ मल्होत्रा और श्रद्धा कपूर ने किया था। फिल्म में रितेश ने एक साइको किलर का रोल किया। इस फिल्म में विलेन के तौर पर रितेश को देखकर दर्शक हैरान हो गए। फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी हैं।

मरजावां

'एक विलेन' फिल्म करने के बाद रितेश देशमुख फिल्म 'मरजावां (2019)' में भी विलेन बने। इस फिल्म में उनका विलेन का किरदार जरा हटकर रहा। फिल्म में उन्होंने एक बौने का रोल किया, जो की माफिया से जुड़ा है। फिल्म में रितेश के किरदार के कारण हीरोइन (तारा सुतारिया) की मौत हो जाती है। ऐसे में फिल्म का हीरो रितेश के किरदार से बदला लेता है। इस फिल्म के निर्देशक मिलाप मिलन जवेरी थे।

लय भारी

साल 2014 में रितेश देशमुख ने एक मराठी फिल्म 'लय भारी' की थी। इस फिल्म में रितेश ने डबल रोल किया। एक रोल सीधे-सादे शख्स का था, तो दूसरा किरदार एक गुंडे का रहा। दोनों ही किरदारों में रितेश गंभीर नजर आए। इस फिल्म में रितेश की पत्नी और एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने कैमियो किया था। साथ ही सलमान खान खान भी कैमियो रोल में 'लय भारी' में नजर आए। इस फिल्म को निशिकांत कामत ने निर्देशित किया था।

पिल सीरीज में निभाया सीरियस रोल

रितेश देशमुख ने एक सीरीज 'पिल' भी की। यह एक मेडिकल थ्रिलर सीरीज थी। इसमें रितेश ने एक सरकारी ऑफिसर का रोल निभाया था, जो मेडिकल, दवा माफिया के खिलाफ जंग लड़ता है। यह किरदार बहुत ही गंभीर किस्म का था, इसमें भी रितेश ने अच्छा अभिनय किया। 2024 में आई इस सीरीज को राजकुमार गुप्ता ने निर्देशित किया।

इस इंडस्ट्री ने मुझे बहुत चोट पहुंचाई है

बाबिल खान की फिल्म 'लॉगआउट' 18 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो गई है। बाबिल ने इंडस्ट्री से मिली मुश्किलें और चिंताओं से निपटने के बारे में बात की। बातचीत में बाबिल ने इंडस्ट्री में आने वाली कठिनाइयों और उनका सामना करने के बारे में बात की। अभिनेता ने कहा, मैं इस इंडस्ट्री में पूरे दिल से अपनी बाहें खोलकर आया था। लेकिन इतने कमय समय में ही इसने मुझे एक व्यक्ति के रूप में वास्तव में काफी हद तक तोड़ दिया है। हालांकि, अब मैं टूटा नहीं, लेकिन हां, इसने मुझे बहुत चोट पहुंचाई है और मैंने बहुत दर्द और बहुत सारी चिंताओं का सामना किया। बाबिल ने आगे कहा, इंडस्ट्री द्वारा टूटा हुआ महसूस करने के बावजूद, मैं किसी भी चीज के लिए इस अनुभव को नहीं बदलूंगा। इसने मुझे जीवन के बारे में एक अलग दृष्टिकोण दिया और मुझे अपने बचपन के सच्चे जुनून से फिर से जुड़ने में मदद की। हर अनुभव, चाहे वह अच्छा हो या बुरा, उसे आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।